30 अक्टूबर 2025
गुरुवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण
आपकी आवाज

बक्सर की धरती ने राम व राष्ट्र को दिशा दी है : योगी 3

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

मोदीजी वोट के लिए स्टेज पर आकर डांस कर लेंगे : राहुल

- *कि मोदीजी को छठ पूजा या यमुना नदी की सफाई से कोई मतलब नहीं*

एजेंसी/मुजफ्फरपुर

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मुजफ्फरपुर से अपने प्रचार अभियान की शुरूआत की. एक साझा रैली में राजद नेता तेजस्वी यादव के साथ मंच साझा करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दोनों पर तीखा हमला बोला. राहुल गांधी ने कहा कि अगर आप नरेंद्र मोदी से कहें कि वोट के बदले नाचिए, तो वो मंच पर नाचेंगे भी। राहुल ने आगे कहा कि मोदीजी को छठ पूजा या यमुना नदी की सफाई से कोई मतलब नहीं, वो बस आपका वोट चाहते हैं. उन्होंने दिल्ली में प्रदूषित यमुना में पूजा कर रहे श्रद्धालुओं और प्रधानमंत्री के श्खास बनाए गए तालाब में स्नानश करने की तुलना की और कहा-श्मोदी जी अपने स्विमिंग पूल में नहाने गए थे, उन्हें छठ पूजा से कोई लेना-देना नहीं है। पीएम मोदी पर राहुल गांधी की टिप्पणी पर बीजेपी ने पलटवार किया. सत्तारूढ़ बीजेपी ने राहुल गांधी की भाषा को स्थानीय गुंडे जैसा बताया और कहा कि उन्होंने कि पीएम मोदी को वोट देने वाले हर व्यक्ति का अपमान किया है। बीजेपी ने आरोप लगाया कि इन टिप्पणियों ने श्भारतीय मतदाताओं और लोकतंत्र का मजाक उड़ाया है।

नीतीश कुमार पर निशाना

राहुल ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी हमला करते हुए कहा कि उन्होंने श20 साल में पिछड़े वर्गों के लिए कुछ नहीं किया.श उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नीतीश कुमार की छवि का इस्तेमाल कर रही है जबकि श्रिमोट कंट्रोल बीजेपी के हाथ में है। राहुल ने कहा कि नीतीश कुमार का चेहरा इस्तेमाल हो रहा है, पर असली कंट्रोल बीजेपी के पास है. उन्हें सामाजिक न्याय से कोई मतलब नहीं।

वोट चोरी की कोशिश हो सकती है

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने फिर से अपना पुराना आरोप दोहराया कि बीजेपी श्वोट चोरीश करती है. उन्होंने कहा, श्उन्होंने महाराष्ट्र और हरियाणा में चुनाव चुराए, और अब बिहार में भी पूरी कोशिश करेंगे.श राहुल ने बिहार में मतदाता सूची से लगभग 66 लाख नाम हटाए जाने के मामले का जिक्र करते हुए लोगों से महागठबंधन को वोट देने की अपील की। मोदी जी वोट के लिए स्टेज पर आकर डांस भी कर लेंगे। आप जो कहेंगे, वो करेंगे... लेकिन चुनाव से पहले। राहुल ने कहा, श्वे लोग पूरी कोशिश करेंगे कि बिहार की आवाज वाली सरकार न बने, लेकिन हम गारंटी देते हैं कि हर वर्ग, हर जाति, हर धर्म का प्रतिनिधित्व करने वाली सरकार बनाएंगे. हम किसी को पीछे नहीं छोड़ेंगे। प्रधानमंत्री मोदी की आर्थिक नीतियों पर निशाना साधते हुए राहुल ने कहा कि नोटबंदी और जीएसटी ने छोटे व्यवसायों को बर्बाद कर दिया. भीड़ से सवाल करते हुए उन्होंने कहा कि अपने मोबाइल के पीछे डीके लिखा है। मेड इन चाइना, हम कहते हैं- मेड इन बिहार होना चाहिए, ताकि बिहार के युवाओं को रोजगार मिले.श राहुल ने कहा कि कांग्रेस-नीत यूपीए सरकार ने नालंदा विश्वविद्यालय को फिर से जीवित करने की कोशिश की थी और उनका सपना है कि बिहार को फिर से शिक्षा का वैश्विक केंद्र बनाया जाए।

कांग्रेस की सभा में बांग्लादेशी राष्ट्रगान गाने पर सख्त असम सरकार

एजेंसी/गुवाहाटी

असम के श्रीभूमि जिले में कांग्रेस सेवा दल की सभा में बांग्लादेश के राष्ट्रगान गाने के बाद अब पुलिस ने कांग्रेस नेताओं के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज कर लिया गया है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद असम सरकार सख्त नजर आ रही है। इस मामले में असम के मुख्यमंत्री का बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने कहा कि बांग्लादेश का राष्ट्रगान गाने पर श्रीभूमि जिले की कांग्रेस के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया जाएगा। ख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को कहा कि उन्होंने पुलिस को श्रीभूमि जिले के कांग्रेस नेताओं के खिलाफ पार्टी की एक बैठक में बांग्लादेश का राष्ट्रगान गाने पर देशद्रोह का मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है। जिसके बाद असम पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। कैबिनेट बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सीएम सरमा ने यह भी आरोप लगाया कि राष्ट्रगान गाना विपक्षी पार्टी द्वारा बांग्लादेश के नेताओं के एक वर्ग के इस दावे का समर्थन है कि पूरा पूर्वोत्तर क्षेत्र पड़ोसी देश का हिस्सा है। उन्होंने कहा, ₹कांग्रेस की बैठक की शुरूआत भारतीय राष्ट्रगान के बजाय बांग्लादेश का राष्ट्रगान गाने से हुई। यह भारत के लोगों और उसके राष्ट्रगान का घोर अपमान है।

बेगूसराय में केंद्रीय गृहमंत्री ने विपक्ष पर जमकर बोला हमला

कोई कन्फ्यूजन नहीं बिहार के अगले सीएम है नीतीश कुमार : शाह

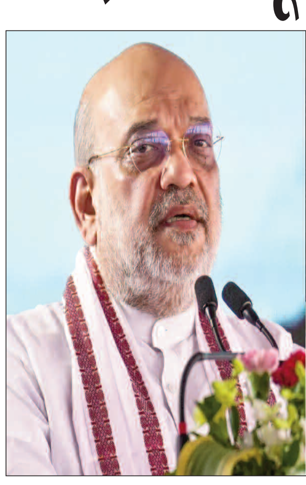

एजेंसी/बेगूसराय

बिहार में विधानसभा चुनाव के लिए होने वाली वोटिंग से पहले महागठबंधन पर निशाना साधते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट कह दिया है कि बिहार में सीएम की सीट खाली नहीं है।दरअसल, बिहार के बेगूसराय में एक रैली को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को महागठबंधन पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि, श्लालू प्रसाद अपने बेटे तेजस्वी यादव की मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं और सोनिया गांधी अपने बेटे राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं। लेकिन, मैं उन्हें संदेश देना चाहता हूं कि बिहार में सीएम और देश में पीएम के लिए कोई सीट खाली नहीं है। बिहार में सीएम नीतीश कुमार हैं और देश में पीएम नरेंद्र मोदी हैं। देश और बिहार में कोई सीट खाली नहीं है।बता दें कि, महागठबंधन लगातार एनडीए पर मुख्यमंत्री चेहरा घोषित करने का दबाव बना रहा है। त्श्रक नेता तेजस्वी यादव बार-बार पूछ रहे हैं कि हम लोगों ने अपना मुख्यमंत्री चेहरा तो घोषित कर दिया लेकिन एनडीए कब ऐसा करेगा? उन्होंने अमित शाह के बयान का हवाला देते हुए यह भी आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी अब नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनने वाली है। लेकिन, बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने बयान के जरिए सभी सवालों का जवाब दे दिया है। उन्होंने स्पष्ट कह दिया है कि बिहार में सीएम की सीट खाली नहीं है।

बिहार के सीएम नीतीश कुमार ही होंगे : उपेंद्र कुशवाहा

वजीरगंज। वजीरगंज विधानसभा क्षेत्र के मानपुर प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित खेल मैदान में बुधवार को एनडीए से भाजपा प्रत्याशी बीरेंद्र सिंह के समर्थन में चुनावी सभा आयोजित की गई। सभा को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री और रालोसपा प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री पद को लेकर किसी तरह का कोई भ्रम नहीं है। उन्होंने साफ कहा कि ह्णएनडीए की सरकार बनी तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही होंगे। वे थे, हैं और रहेंगे। मतदाताओं को किसी तरह का कन्फ्यूजन नहीं रखना चाहिए। कुशवाहा ने कहा कि जिन महिलाओं को सरकार की ओर से 10 हजार रुपये दिए गए हैं, जिन्हें अभी नहीं मिला है, उन्हें भी मिलेगा। आगे चलकर महिलाओं को रोजगार के लिए दो लाख रुपये तक की सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं नीतीश कुमार के साथ हैं। अगर कोई उनके खिलाफ कुछ कहेगा, तो महिलाएं उसका ह्णमुंह नोच लेंगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक समय था जब गांव और शहरों में बिजली के दर्शन के लिए लोग तरसते थे, लेकिन आज गांवों में भी 20 घंटे बिजली मिल रही है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की देन है। अब 125 यूनिट बिजली मुफ्त दी जा रही है। सरकार का लक्ष्य है कि बेरोजगारों को रोजगार मिले और विकास का काम तेजी से हो। उन्होंने याद दिलाया कि 2005 से पहले राजद सरकार में अतिपिछड़ा वर्ग के लोग पंचायत में वार्ड सदस्य तक नहीं बन पाते थे। नीतीश कुमार ने व्यवस्था में बदलाव किया, अब महिलाएं भी जिला परिषद की अध्यक्ष बन रही हैं। यह ताकत नीतीश कुमार ने दी है। उन्होंने लालू प्रसाद यादव पर हमला बोलते हुए कहा कि उस दौर में किरानी से लेकर अधिकारी तक सभी उन्हीं के लोग होते थे। लालू परिवार के कार्यक्रमों में लोगों की गाड़ियां जब्त कर ली जाती थीं, अपहरण आम बात थी। अगर गलती से फिर राजद की सरकार आ गई, तो स्थिति 2005 से भी बदतर हो जाएगी।

यूपी : बहराइच में बड़ा हादसा, नाव पलटने से 22 लोग नदी में गिरकर लापता

एजेंसी/बहराइच

बहराइच में कतर्नियाघाट के ट्रांस गेरुआ क्षेत्र में बुधवार देर शाम कौड़ियाला नदी में ग्रामीणों से भरी नाव डूब गई। नाव पर सवार भरथापुर के ग्रामीण खैरटिया बाजार से खरीदारी करके लौट रहे थे। नाव में 26 ग्रामीण सवार थे, जिनमें से चार लोग तैर कर सुरक्षित निकल आए है, जबकि बाकी अभी लापता हैं। भरथापुर गांव घने जंगल और नदी के पार स्थित होने के चलते यहां के लोग लखीमपुर खीरी जनपद के खैरटिया गांव से रोजमर्रा की खरीदारी और आवागमन नाव के जरिए करते हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शाम करीब 6 बजे गांव की ओर लौटते समय अचानक नदी में तेज बहाव के कारण नाव अनियंत्रित होकर पलट गई। सुरक्षित बचे लोगों में लक्ष्मी नारायण पुत्र विसेसर, रानी देवी पत्नी रामाधार, ज्योति पुत्री आनंद कुमार व हरिमोहन पुत्र रामकिशोर शामिल हैं। वहीं नाव चालक मिहींलाल पुत्र पुत्तीलाल सहित 22 लोग अभी भी लापता हैं। लापता व्यक्तियों में गांव के निवासी और कुछ मेहमान भी शामिल बताए जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हाल ही में चौधरी चरण सिंह घाघरा बैराज के गेट खोले जाने से नदी में तेज बहाव बढ़ गया है, जो इस हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है। स्थानीय लोग अपने स्तर पर भी तलाश में जुटे हुए हैं, लेकिन नदी का तेज बहाव और अंधेरा ग्रामीणों के लिए मुश्किल खड़ी कर रहा है। घटना की सूचना पाकर एसडीएम मिहींपुरवा रामदयाल और तहसीलदार और थानाध्यक्ष सुजौली प्रकाश चंद्र शर्मा घटनास्थल की ओर रवाना हुए हैं।

ज्यूडिशियल अफसरों की सीनियरिटी में एकरूपता की जरूरत : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि भारत में प्रवेश स्तर के ज्यूडिशियल अफसरों की सीनियरिटी निर्धारित करने के मानदंडों में देशभर में किसी प्रकार की एकरूपता लाने की आवश्यकता है, ताकि इन अधिकारियों के धीमे और असमान कैरियर विकास से निपटा जा सके। चीफ जस्टिस बी. आर. गवई की अगुवाई वाली पांच जजों की संविधान बेंच ने यह स्पष्ट किया कि उसका उद्देश्य किसी भी रूप में उच्च न्यायालयों की उस शक्ति में हस्तक्षेप करना नहीं है, जिसके तहत वे जजों के लिए नामों की सिफारिश करते हैं। संविधान बेंच उच्च न्यायिक सेवा में वरिष्ठता निर्धारण के लिए समान, राष्ट्रव्यापी मानदंड तैयार करने पर विचार कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने इस तथ्य पर गौर किया कि अधिकांश राज्यों में सिविल जज के रूप में भर्ती हुए ऑफिसर अक्सर प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट जज के पद तक नहीं पहुंच पाते, हाई कोर्ट के जज बनने की बात तो दूर है। इसके कारण कई प्रतिभाशाली युवा वकील न्यायिक सेवा में सिविल जज स्तर पर शामिल होने से हतोत्साहित हो जाते हैं। चीफ जस्टिस ने तब कहा कि कुछ हद तक एकरूपता होनी ही चाहिए। चीफ जस्टिस ने कहा कि हम उच्च न्यायालयों के नाम अनुशंसा करने के विवेकाधिकार को नहीं छीनेंगे।

यूपीआई पेमेंट सिस्टम नहीं बल्कि भारत के आम नागरिकों की रोजमर्रा की जरूरत बन चुका

35 फीसदी की ग्रोथ के साथ भारत बना दुनिया का डिजिटल पेमेंट लीडर

एजेंसी/नई दिल्ली

नई दिल्ली भारत ने डिजिटल पेमेंट की दुनिया में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस ;यूपीआईद्ध ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2025 की पहली छमाही में यूपीआई ट्रांजैक्शनों में 35 प्रतिशत की रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस अवधि में कुल 106ए36 अरब ट्रांजैक्शन किए गएए जिनकी कुल वैल्यू 143ए34 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई। उपलब्ध आंकड़े दशार्ता है कि अब यूपीआई केवल एक पेमेंट सिस्टम नहींए बल्कि भारत के आम नागरिकों की रोजमर्रा की जरूरत बन चुका है। यूपीआई का इस्तेमाल किराने की दुकानए सब्जी बाजारए टैक्सीए पेट्रोल पंप से लेकर ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म तक हर जगह किया जा रहा है। इसकी सबसे बड़ी ताकत है तेजए आसान और सुरक्षित पेमेंट प्रोसेसए जिसने डिजिटल लेनदेन को देश के हर कोने तक पहुंचा दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले महीनों में यूपीआई का यह ग्रोथ ट्रेंड और तेज होगाए क्योंकि यूपीआई लाइटए यूपीआई क्रेडिट लाइन और इंटरनेशनल यूपीआई पेमेंट जैसे नए फीचर्स धीरे.धीरे व्यापक रूप से अपनाए जा रहे हैं। 2024 की पहली छमाही में जहां औसत यूपीआई ट्रांजैक्शन साइज 1ए478 रुपए थाए वहीं 2025 में यह घटकर 1ए348 रुपए रह गया है। यह गिरावट किसी कमी का संकेत नहींए बल्कि इस बात का सबूत है कि अब यूपीआई का इस्तेमाल सिर्फ बड़े भुगतानों के लिए नहींए बल्कि छोटे और रोजमर्रा के खर्चों .जैसे चायए सब्जीए ऑटो किराया या स्थानीय दुकानों पर खरीदारी के लिए भी बड़े पैमाने पर किया जा रहा है।

30.10.25_1.09.25 Final.qxd 30-10-2025 11:46 Page 2

रसोई से उठेगी लोकतंत्र की लौ, गैस सिलेंडरों के सहारे हर घर दस्तक अभियान तेज

- बक्सर प्रशासन की क्रिएटिव पहल, मतदाता जागरूकता का संदेश हर किचन तक, लक्ष्य-कोई मतदाता न छूटे

केटी न्यूज/बक्सर

लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व, विधानसभा चुनाव को लेकर बक्सर जिला प्रशासन अब नए अंदाज में मतदाता जागरूकता अभियान चला रहा है। इस बार अपील न केवल चौक-चौराहों या जनसभाओं तक सीमित है, बल्कि सीधे रसोईघर तक पहुंच रही है। जिला स्वीप कोषांग, बक्सर द्वारा हर घर दस्तक कार्यक्रम के तहत गैस सिलेंडरों के माध्यम से मतदान का संदेश घर-घर पहुंचाने की अभिनव शुरूआत की गई है। एजेंसियों की मदद से जिले में वितरित हो रहे प्रत्येक एलपीजी सिलेंडर पर मतदाता जागरूकता स्टिकर लगाए जा रहे हैं। जब सिलेंडर किसी घर की दहलीज पर पहुंचता है, तो उसके साथ संदेश भी पहुंचता है कि रसोई जीवन को ऊर्जा देती है तथा मतदान लोकतंत्र को। यह अनूठा संदेश मतदाताओं को उनके अधिकार और कर्तव्य दोनों की याद दिलाता है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी, डॉ. विद्यानंद सिंह ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती में हर वोट की अहम भूमिका है। जिस प्रकार रसोई से जीवन को ऊर्जा मिलती है, उसी तरह मतदान लोकतंत्र को ऊर्जा देता है। इसलिए इस अभियान के माध्यम से मताधिकार को लेकर प्रत्येक नागरिक में जागरूकता की अग्नि प्रज्वलित की जा रही है। इस पहल में एचपी गैस एजेंसी और विन्ध्यवासिनी इंडेन गैस एजेंसी का विशेष सहयोग मिल रहा है। दोनों एजेंसियां अपने पूरे नेटवर्क के माध्यम से इस मुहिम को आगे बढ़ा रही हैं, जिससे हजारों परिवारों तक यह संदेश सहज ही पहुंच जा रहा है।

स्वीप कोषांग के अधिकारियों ने बताया कि इस प्रयास का मुख्य मकसद यह सुनिश्चित करना है कि मतदान की अपील हर उस जगह पहुंचे जहां परिवार के सभी सदस्य प्रतिदिन जुटते हैं। क्योंकि घर की महिला शक्ति मतदान में सबसे बड़ी प्रेरक होती है और रसोई के जरिये संदेश सीधे उनके दिल तक उतरता है। अधिकारियों का मानना है कि अक्सर चुनावी जागरूकता का संदेश युवाओं और पुरुषों तक तो पहुंच जाता है, परंतु महिलाएं कई बार मतदान दिन पर घरेलू जिम्मेदारियों के कारण पीछे छूट जाती हैं। ऐसे में यह पहल महिलाओं को प्रेरित करते हुए पूरे परिवार को मतदान के लिए प्रेरित करेगी। अभियान के अंतर्गत स्टिकरों पर आकर्षक नारे, मतदान तिथि, बूथ जानकारी और ह्लपहले मतदान, फिर जलपानह्व जैसे संदेश अंकित किए जा रहे हैं। प्रशासन को उम्मीद है कि यह सीधी और सरल जागरूकता लोगों की आदत में मतदान को शामिल करने में सहायक सिद्ध होगी।

जिला प्रशासन इसे ह्लह्लजन-भागीदारी आधारित अभियानह्व बताते हुए कहता है कि जब जागरूकता जनता तक उनके रोजमर्रा की उपयोग की चीजों के जरिए पहुंचती है, तो उसका असर अधिक गहरा और प्रभावी होता है। स्वीप टीम बक्सर, जिला प्रशासन और गैस एजेंसियों के संयुक्त प्रयास से यह मुहिम गति पकड़ चुकी है। लक्ष्य स्पष्ट है कि कोई मतदाता न छूटे। जैसे-जैसे सिलेंडर एक-एक घर में पहुंच रहे हैं, वैसे-वैसे जागरूकता की यह मशाल भी रोशन हो रही है। उम्मीद यही है कि आने वाले चुनाव में बक्सर मतदान प्रतिशत के नए आयाम स्थापित करेगा और लोकतंत्र की ऊर्जा रसोई से वोटपटल तक लगातार जलती रहेगी।

जनसंपर्क के दौरान बोले, बाहरी नहीं, इसी मिट्टी का बेटा हूं, विकास ही सबसे बड़ा मुद्दा

डुमरांव को औद्योगिक मानचित्र पर चमकाना मेरी प्राथमिकता : राहुल कुमार सिंह

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा सीट पर चुनावी तापमान हर दिन चढ़ता जा रहा है। बुधवार को जनसंपर्क अभियान के दौरान जदयू प्रत्याशी राहुल कुमार सिंह ने लोगों से मुलाकात कर अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं। उन्होंने कहा कि वे सिर्फ चुनाव लड़ने नहीं आए, बल्कि डुमरांव को एक मॉडल विधानसभा क्षेत्र बनाकर ही दम लेंगे।

लोगों से भावनात्मक जुड़ाव जताते हुए राहुल कुमार सिंह ने कहा कि मैं कोई बाहरी नहीं हूं। मेरा बचपन यहीं बीता है। इस मिट्टी की खुशबू में मेरे सपने पले-बढ़े हैं। डुमरांव कभी औद्योगिक व कृषि विकास का केंद्र रहा है। उस पुरानी पहचान को फिर से जीवंत करना मेरा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि डुमरांव को औद्योगिक मानचित्र पर उकेरना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है ताकि युवाओं को रोजगार मिले और व्यवसायियों को बेहतर माहौल।

निवर्तमान विधायक पर तीखा प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि डुमरांव की मुख्य सड़कें लोगों की जान लेने पर आमादा हैं, परंतु अब तक सिर्फ उद्घाटन और फोटो खिंचवाने की राजनीति ही होती रही। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं से दूरी बनाए रखने वाले लोग विकास की बात करने का नैतिक अधिकार नहीं रखते।

राहुल सिंह ने कहा कि इस चुनाव में डुमरांव की जनता बदलाव के मूड में है। इस बार डुमरांव ने तय कर लिया है कि एनडीए का तीर सही निशाने पर लगेगा। यह चुनाव सिर्फ सत्ता बदलने का नहीं, बल्कि डुमरांव के भविष्य को दिशा देने वाला है। उन्होंने युवाओं और व्यापारियों को विश्वास दिलाया कि विकास की हर योजनाओं में उनकी सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

सिंह ने कहा कि यदि जनता उन्हें मौका देती है, तो सड़कों, स्वास्थ्य, शिक्षा और उद्योग चारों मोर्चों पर डुमरांव को मजबूती से खड़ा किया जाएगा। उन्होंने लोगों से आग्रह करते हुए कहा कि समृद्ध और आत्मनिर्भर डुमरांव के लिए उन्हें वोट रूपी आशीर्वाद दें।

जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों, व्यापारी संगठनों और युवा मतदाताओं का उत्साह देखने लायक था, जिसने राहुल सिंह के अभियान को और मजबूती दी।

राहुल सिंह को जिताने महिला ब्रिगेड मैदान में

डुमरांव विधानसभा में इस बार चुनावी जंग सिर्फ नेताओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि घर-आंगन से निकलकर आधी आबादी ने भी मोर्चा संभाल लिया है। एनडीए प्रत्याशी राहुल कुमार सिंह को भारी मतों से विजयी बनाने के संकल्प के साथ महिलाओं ने अपना कंधा राजनीति की बागडोर में मजबूती से जोड़ लिया है। गांवों में महिलाएं अपने-अपने गुट बनाकर घर-घर दस्तक दे रही हैं और महिलाओं के मत पर सीधे अपील कर चुनाव में नया माहौल बना दिया है। इस महिला ब्रिगेड की अगुआई कर रही हैं भाजपा नेता राजीव भगत की पत्नी और भाजपा ग्रामीण प्रभारी सह जिला मंत्री ओम ज्योति भगत। उनकी बेटी वंदना भगत और खुद राजीव भगत भी प्रचार का मोर्चा संभाले हुए हैं। यह परिवार पिछले कई दिनों से बिना थके, बिना रुके एनडीए के लिए जनसमर्थन जुटाने में लगा है। बुधवार को इनके प्रचार का काफिला नावानगर से रवाना होकर कोरानसराय, मुगांव, कोपवां, लाखनडिहरा, छतनवार, नुआंव, सोवां, अरियावं होते हुए टुड़ीगंज और फिर डुमरांव पहुंचा। लाखनडिहरा में काफिला पहुंचते ही ग्रामीणों और युवाओं की भीड़ उमड़ पड़ी। शिवमंदिर परिसर में आयोजित बैठक में आगामी प्रचार रणनीति तय की गई और फिर टोली अगले गांव की ओर रवाना हो गई। काफिले के तेवर और उत्साह का असर क्षेत्र के अन्य कार्यकर्ताओं पर भी साफ महसूस हुआ। वे भी दोगुने जोश के साथ घरों, गलियों और चौपालों तक पहुंचकर लोगों से सीधे संवाद में जुट गए। महिलाओं ने विशेष रूप से दलित बस्तियों, बहुमंजिला इमारतों और बाजार में मौजूद दुकानों पर जाकर वोटरों से मुलाकात की। वे लोगों को एनडीए और प्रत्याशी राहुल सिंह की योजनाओं, कार्यशैली और संकल्प से रूबरू करा रही हैं। स्थानीय महिलाएं कहती हैं कि अब राजनीति सिर्फ पुरुषों का मैदान नहीं रहा। ह्लहम वोट भी देंगे और अपना विधायक भी चुनवाएंगे,ह्व यह संदेश डुमरांव की धरती से महिला शक्ति जोरदार तरीके से दे रही है। जैसे-जैसे मतदान की तारीख नजदीक आ रही है, यह महिला जनसैलाब चुनावी हवा का रुख तय करने को बेताब दिख रहा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि इस बार डुमरांव में जीत का फैसला महिलाएं ही लिखेंगी। एनडीए प्रत्याशी को जीत दिलाने की कमान संभालने वाली ओम ज्योति भगत ने बताया कि इस बार महिलाओं में विशेष उत्साह है। खासकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा आधी आबादी के लिए किए गए कार्यों तथा महिलाओं को सम्मान व अर्थव्यस्था में क्रांतिकारी बदलाव ला मुख्यमंत्री ने महिलाओं को सही हक दिया है। उ

भक्तिमय माहौल में भगवान भास्कर की प्रतिमा का हुआ विसर्जन

केटी न्यूज/केसठ

लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के समापन के उपरांत बुधवार की देर रात केसठ प्रखंड क्षेत्र में भगवान भास्कर की प्रतिमाओं का विधिवत विसर्जन भक्ति और उल्लास के माहौल में संपन्न हुआ। प्रखंड मुख्यालय सहित आसपास के विभिन्न छठ घाटों, नहरों और तालाबों में श्रद्धालुओं ने बड़ी धूमधाम से भगवान सूर्य की प्रतिमा का विसर्जन किया। इस दौरान भक्ति गीतों, डीजे की धुनों और जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। श्रद्धालु भगवान भास्कर के जयकारे लगाते हुए भक्ति रस में झूमते नजर आए।मुख्य विसर्जन जुलूस प्रखंड मुख्यालय से शुरू होकर नया बाजार, पुराना बाजार होते हुए पुनः पोखरा छठ घाट पहुंचा। जुलूस में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे मार्ग पर भक्तों की भीड़ उमड़ी रही। लोगों ने रास्तेभर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। देर रात प्राचीन पोखरा छठ घाट पर भगवान भास्कर की प्रतिमा का विसर्जन विधिवत रूप से किया गया।जुलूस का नेतृत्व बारी संघ के प्रदेश महामंत्री अजय कुमार विक्रांत और विवेकानंद आर्य ने किया। वहीं मिठाइयां पुल स्थित नहर और पोखरा तालाब पर विसर्जन देखने हजारों श्रद्धालु पहुंचे। इस अवसर पर पूजा समिति के सदस्य राहुल कुमार, राहुल केसरी, कन्हैया, मुकुंद, शिवम, राजेश, मुकेश, गगन, अकाश, अजय गोप, अंकित, सोनू, रोमित आदि का योगदान सराहनीय रहा।इस दौरान पंचायत के मुखिया अरविंद कुमार यादव उर्फ गामा पहलवान ने समिति के सदस्यों को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया और उनके प्रयासों की सराहना की।

द एमिटी स्कूल ने 12 टॉपर्स छात्रों को मिला 50 फीसदी फीस स्कॉलरशिप सर्टिफिकेट

केटी न्यूज/नावानगर

सोनवर्षा के द एमिटी स्कूल में बुधवार को स्कूल की सह-संस्थापक स्व. निजू सिंह की छठी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूल के डायरेक्टर अमरेंद्र राजेश व पूरे स्कूल परिवार ने स्व. निजू सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में संस्कृति, समाज व सरोकार संस्था की ओर से भी स्व. निजू सिंह को श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। कार्यक्रम के दौरान डायरेक्टर अमरेंद्र राजेश ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया। उन्होंने सितंबर माह में आयोजित हॉफ ईयरली परीक्षा में एलकेजी से कक्षा 10वीं तक के 12 टॉपर्स छात्रों को ह्लनिजू सिंह फ्री एजुकेशन स्कीम फॉर टॉपर्स 2025-26ह्व के तहत 50 फीसदी फीस माफी का लाभ देते हुए स्कॉलरशिप सर्टिफिकेट प्रदान किया। यह सुविधा अक्टूबर 2025 से मार्च 2026 तक प्रभावी रहेगी। इसके साथ ही उन्होंने ह्लहरेंद्र सिंह-शांति सिंह फ्री एजुकेशन स्कीम फॉर ऑर्फन्सह्व के तहत 6 अनाथ छात्रों की पूरी फीस माफ कर उनके हाथों में स्कॉलरशिप सर्टिफिकेट भी सौंपा। श्रद्धांजलि भाषण के दौरान अमरेंद्र राजेश भावुक हो उठे। उन्होंने कहा कि स्व. निजू सिंह का जीवन शिक्षा, संस्कार और समाजसेवा को समर्पित था। द एमिटी स्कूल का निरंतर विकास उनके सपनों को साकार करने की दिशा में एक कदम है।

सीमा सील, सियासी कैश फेल चुनावी पैसों पर पुलिस की टेढ़ी नजर

केटी न्यूज/राजपुर

विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, वैसे-वैसे अवैध धन, शराब व अन्य प्रलोभन के जरिए मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिशें भी तेज होती दिख रही हैं। लेकिन बक्सर प्रशासन इस बार पूरी तैयारी में है। सीमावर्ती इलाकों में सख्त निगरानी के साथ पुलिस और उड़न दस्ते की टीमें चौकस मोड में उतर आई हैं।

राजपुर थाना क्षेत्र के दैतरा बाबा पुल के पास मंगलवार की देर शाम अभियान के दौरान एक बड़ी कार्रवाई की गई। उड़न दस्ते और पुलिस टीम ने कोचस की दिशा से आ रहे एक बाइक सवार को रोका और संदिग्ध लगने पर उसकी गहन तलाशी ली। तलाशी में उसके बैग से 72 हजार 950 रुपये नकद बरामद हुए। पूछताछ में युवक कोई वैध दस्तावेज या संतोषजनक जवाब देने में नाकाम रहा। तत्काल उसके पास से बरामद राशि को जब्त कर वरीय अधिकारियों को सौंप दिया गया है। इसके साथ ही पुलिस ने कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मजिस्ट्रेट सह राजस्व पदाधिकारी रूपा कुमारी और थानाध्यक्ष निवास कुमार के नेतृत्व में यह अभियान लगातार चल रहा है। बक्सर-कोचस मुख्य मार्ग पर जगह-जगह वाहनों की जांच की जा रही है, ताकि अवैध सामान या धन चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित न कर सके।

थानाध्यक्ष ने कहा कि शांतिपूर्ण चुनाव कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए रोहतास, कैमूर और उत्तर प्रदेश से लगती सीमाओं पर विशेष चौकसी रखी जा रही है। बाहरी जिलों से बिहार के अंदर प्रवेश करने वाले हर वाहन पर पैनी निगाह है।

पुलिस का साफ संदेश है कि चुनाव को खरीदने की कोशिश करने वाला कोई भी बच नहीं पाएगा। मतदाताओं को प्रभावित करने की हर साजिश अब पुलिस की रडार पर है।

30.10.25_1.09.25 Final.qxd 30-10-2025 11:46 Page 3

बक्सर की धरती ने राम व राष्ट्र को दिशा दी है : योगी आदित्यनाथ

बक्सर में योगी का प्रहार, बोले बदला है बिहार, अब पीछे नहीं मुड़ने देंगे

- *बक्सर जिले के सभी एनडीए प्रत्याशियों को जिताने की अपील, कहा बहनों की सुरक्षा और विकास की राह मोदी-नीतीश के साथ*

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार विधानसभा चुनाव में जीत की रणनीति के तहत भारतीय जनता पार्टी ने अपने धुरंधर स्टार प्रचारक व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बुधवार को बक्सर भेजा। हेलीकॉप्टर से उनके हवाई अड्डा मैदान पहुंचते ही भगवा जोश और नारेबाजी से पूरा इलाका गूंज उठा। जनभावनाओं के बीच योगी का काफिला पहले नाथ बाबा मंदिर पहुंचा, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना कर बिहार की समृद्धि के लिए आशीर्वाद लिया। इसके बाद वे सीधे आईटीआई मैदान में आयोजित विशाल जनसभा में पहुंचे, जहां एनडीए समर्थकों का सैलाब उमड़ पड़ा। बता दें कि योगी आदित्यनाथ भी नाथ संप्रदाय से ही आते है।

सभा की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन और संचालन रालोमो के जिलाध्यक्ष विंध्याचल सिंह कुशवाहा ने किया। मंच पर योगी आदित्यनाथ का स्वागत ह्यजय श्रीरामह्न, ह्यबुलडोजर बाबाह्न के नारों और पुष्प वर्षा के साथ हुआ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में बिहार और बक्सर के ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि मां गंगा के आशीष से पावन यह धरती साधु-संतों की तपोस्थली रही है। भगवान श्रीराम की जीवन शिक्षा में बक्सर का योगदान अविस्मरणीय है। इस भूमि ने दुष्ट प्रवृत्तियों का अंत देखा है। उन्होंने कहा कि बक्सर की धरती ने राम और राष्ट्र को दिशा दी है। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्र निर्माण में बिहार की गौरवशाली भूमिका का उल्लेख करते हुए बाबू जगजीवन राम को याद किया।

अंधेरे से रोशनी की यात्रा, मोदी-नीतीश ने बिहार की तस्वीर बदल दी

जनसभा के मध्य योगी ने विरोधी दलों पर तीखे वार किए। उन्होंने कहा कि कुछ साल पहले का बिहार ऐसा था जहां सूर्यास्त से पहले ही लोगों के मन में अंधेरा उतर आता था, सड़कें अपराधियों की जागीर थीं, बहन-बेटियों की सुरक्षा संकट में थी। उन्होंने कहा कि आज मोदी और नीतीश के नेतृत्व में वह अंधेरा छंट चुका है। एलईडी की रोशनी में बेटियां रात तक बेखौफ बाजारों में घूमती हैं। यह बदलते बिहार की पहचान है। योगी ने दावा किया कि सुरक्षा, सड़क और समग्र विकास के आधार पर बिहार नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है।

वोट की अपील, बदलते बिहार को रोकने वालों को जवाब दें

सीएम योगी ने मंच से उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार बदलिए, मोदी भारत को बदल रहे हैं। यह विकास की रफ्तार रुकनी नहीं चाहिए। उन्होंने बक्सर के मतदाताओं से आग्रह किया कि राज्य में विकास की प्रदीप्त लौ को और उज्ज्वल बनाने के लिए एनडीए प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाएं। उन्होंने कहा कि बक्सर से भाजपा प्रत्याशी आनंद मिश्रा, राजपुर से जदयू प्रत्याशी संतोष निराला, डुमरांव से जदयू प्रत्याशी राहुल सिंह और ब्रह्मपुर से लोजपा प्रत्याशी हुलास पांडेय इन चारों उम्मीदवारों की जीत ही बक्सर के सर्वांगीण विकास की कुंजी है।

विपक्ष पर तंज, कुछ लोग बिहार को फिर पीछे धकेलना चाहते

योगी ने विपक्ष को निशाने पर लेते हुए कहा कि जो लोग कभी बिहार को अपराधों की पहचान बनाकर छोड़ गए थे, वे फिर से सत्ता का सपना देख रहे हैं। जनता उनके उस दौर को भूली नहीं है। उन्होंने युवाओं, माताओं-बहनों और प्रथम बार मतदान करने वाले मतदाताओं से विशेष रूप से अपील की कि वे इस बदली हुई तस्वीर को बनाए रखने में अपनी निर्णायक भूमिका निभाएं।

योगी की सभा में एनडीए का शक्ति प्रदर्शन, मंच पर रहे कई दिग्गज

सभा में एनडीए घटक दलों के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। उपस्थित प्रमुख नेताओं में दयाशंकर सिंह, परिवहन मंत्री (उत्तर प्रदेश सरकार), सतीश गौतम, सांसद अलीगढ़ व लोकसभा प्रभारी, जदयू जिलाध्यक्ष अशोक सिंह यादव, हम जिलाध्यक्ष बलिराम कुशवाहा, लोजपा जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी उमाशंकर राय समेत एनडीए के सभी घटक दलों के हजारों नेता व कार्यकर्ता तथा लाखों की भीड़ मौजूद थी। उनकी मौजूदगी से साफ संकेत मिला कि बक्सर का चुनावी रण एनडीए पूरी ताकत के साथ लड़ रहा है। बक्सर की रैली ने भाजपा के स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता और एनडीए की चुनावी तैयारी का अंदाजा स्पष्ट कर दिया। जनसभा के दौरान उमड़ा जनसैलाब इस बात का संकेत था कि बक्सर की राजनीतिक धड़कन चुनावी समर में तेजी से बढ़ रही है।

एक नजर

नावानगर में डूबे किशोर का शव 32 घंटे बाद बरामद

नावानगर / सोमवार को छठ घाट पर नहाने के दौरान डूबे किशोर का शव 32 घंटे बाद मंगलवार की देर रात बरामद कर लिया गया। मृतक की पहचान मनाहथा गांव निवासी सरोज कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, छठ पर्व के अवसर पर गांव स्थित ठोरा नदी के मनाहथा घाट पर किशोर स्नान कर रहा था, इसी दौरान वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूब गया। घटना के बाद से परिजनों व ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई थी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस एवं एनडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर लगातार तलाश अभियान शुरू किया था। लगभग 32 घंटे की मशक्कत के बाद किशोर का शव सिकरौल लख के पास से बरामद किया गया। शव मिलते ही परिजनों के बीच कोहराम मच गया और पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया। नावानगर थानाध्यक्ष कुसुम कुमार केशरी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मृतक का शव एनडीआरएफ टीम की सहायता से मंगलवार देर रात बरामद किया गया है। आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए बक्सर सदर अस्पताल भेज दिया गया है। इधर इस दुखद घटना की सूचना मिलते ही जनप्रतिनिधियों ने मृतक के परिजनों से मिलकर सांत्वना दी गई है। साथ ही हर तरह से मदद करने की भरोसा दिया।

किशोरी से दुष्कर्म का प्रयास मामले में दर्ज हुआ एफआईआर, आरोपित फरार

डुमरांव / डुमरांव थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले में मंगलवार की दोपहर 12 वर्षीय एक किशोरी से दुष्कर्म के प्रयास मामले में आरोपित प्रकाश सोनी के खिलाफ डुमरांव थाने में पॉक्सो ऐक्ट के तहत एफआईआर दर्ज किया गया है। इधर आरोपित फरार हो गया है। उसकी धर पकड़ के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। बता दें कि मंगलवार की दोपहर आरोपित किशोरी का बहला फुसलाकर अपने गैराज में ले गया तथा दुष्कर्म की नियत से छेड़खानी करने लगा। इस दौरान आस पास के लोगों ने उसे किशोरी को गैराज में ले जाते देख लिया था तथा बचाव में किशोरी के शोरगुल करने पर मोहल्लेवासी एकजुट हो जब गैराज का दरवाजा खुलवाने लगे तो वह दरवाजा खोल भाग गया। लोगों की तत्परता से किशोरी की आबरू बच गई। डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि इस मामले में एफआईआर दर्ज कर लिया गया है, उन्होंने बताया कि आरोपित की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी हो रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस उसे जल्दी ही गिरफ्तार कर लेगी।

सड़क पर ऑटो पलटने एक की मौत चालक समेत चार घायल

बक्सर / चौसा- बक्सर मार्ग पर मुफस्सिल थाना के यादव मोड़ व बारामोड के बीच सनबीम स्कूल के पास एक तेज गति ऑटो के सामने अचानक से दो कुत्ते झगड़ते पहिये के नीचे आ गए। जहा ऑटो चालक द्वारा ब्रेक लगाने के बाद ऑटो सड़क पर पलट गई। इस घटना में सवार एक युवक की मौत हो गई। वही, चालक समेत चार महिलाए गंभीर रूप से घायल हो गए। ऑटो में बच्चों समेत दस लोग सवार थे।

मिली जानकारी के अनुसार विक्रमगंज नोखा निवासी ललन कुमार का परिवार किसी बच्चे का बाल मुड़वाने की मन्नत को लेकर ऑटो से बक्सर आ रहा था। इसी बीच चौसा में सनबीम स्कूल के पास अचानक से सड़क पर कुत्ते आने से ऑटो चालक का संतुलन बिगड़ गया। और वह सड़क पर पलट गया। जिसमें सवार 32 वर्षीय रविशंकर, 35 वर्षीय गुड़िया देवी, 55 वर्षीय दुफा देवी, 12 वर्षीय निधि कुमारी,40 वर्षीय कस्तूरना देवी व चालक गम्भीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय ग्रामीणों ने पलटी ऑटो को सीधा कर सभी घायलों को एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। जहा प्राथमिक उपचार के बाद तीन रविशंकर, दुफा देवी व निधि कुमारी की हालत गम्भीर होने पर सदर अस्पताल रेफर किया गया। इस दौरान सदर अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते मे रविशंकर की मौत हो गई। इस घटना की सूचना मुफस्सिल थाने को दी गई। जहा पुलिस अस्पताल पहुंच कागजी कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम को भेज दिया गया।

चौगाईं में तेजप्रताप की हुंकार, बिहार को फिर से शिक्षा-रोजगार के पथ पर लाने आया हूं

- *जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने विपक्ष पर साधा निशाना, कहा कि बहरूपियों से सावधान रहें, बिहार ने बहुत पीछे जाना झेला है*

केटी न्यूज/चौगाईं

बक्सर जिले के चौगाईं प्रखंड के मुरार गांव स्थित खेल मैदान में बुधवार की दोपहर राजनीतिक उत्साह चरम पर था। मंच पर चढ़ते ही जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजप्रताप यादव ने भीड़ का अभिवादन करते हुए कहा कि बिहार आज शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मूलभूत सवालों पर पिछड़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार में ब्लैकबोर्ड शिक्षा का प्रतीक हुआ करता था, लेकिन आज हालत यह है कि बच्चों के हाथ में रोजगार नहीं, सिर्फ सवाल हैं।

तेजप्रताप ने अपने दल के प्रत्याशी दिनेश सिंह सूर्या के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए उन राजनीतिक ताकतों पर करारा प्रहार किया, जिनके कारण राज्य विकास की दौड़ में पिछड़ता चला गया। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी ने पूरे प्रदेश में हाहाकार मचा रखा है और युवाओं को पलायन के रास्ते पर धकेला गया है। उन्होंने तेजस्वी सिंह सूर्या को भारी बहुमत से जीताने की अपील की।

अपने तेवर में तेज प्रताप ने मंच से साफ कहा कि जहां शिक्षा और स्वास्थ्य की बात होगी, वहां तेजप्रताप जरूर पहुंचेगा। जो बिहार को पीछे ले जाए, वह हमारा साथी नहीं हो सकता। उन्होंने इशारों-इशारों में विरोधियों को ह्यबहरूपियाह्न बताते हुए कहा कि बिहार की जनता अब इनके झांसों में आने वाली नहीं। उन्होंने यह भी दावा किया कि कुछ शक्तियों ने उन्हें उनके पुराने दल से अलग करवाकर षड्यंत्र रचा, लेकिन वे झुकने वाले नहीं हैं। ५ तेजप्रताप ने कहा कि जनशक्ति जनता दल लालू प्रसाद यादव की मूल विचारधारा को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि लालूजी की असली पार्टी यही है। हम उनके विचारों और समाजिक न्याय की लड़ाई को मजबूती से आगे ले जाने वाले हैं।

मुरार की जनसभा को उन्होंने अपने चिर-परिचित नाटकीय अंदाज में कई बार बांधे रखा। मंच से ह्यउड़न खटोलाह्न का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी रैली अभियान पूरे बिहार में बवंडर की तरह चल रहा है और लोगों का प्यार उन्हें नई ताकत दे रहा है। सभा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी रही। पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती की गई थी, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। भीड़ में स्थानीय युवाओं से लेकर ग्रामीण महिलाओं तक ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया और तालियों की गड़गड़ाहट ने कार्यक्रम को ऊंचाइयों तक पहुंचाया। तेजप्रताप की यह जनसभा चुनावी माहौल में नए समीकरण व उम्मीदों की आहट देती दिखी।

चुनाव ड्यूटी करने वालों के लिए बक्सर में पोस्टल बैलेट से मतदान की सुविधा शुरू

- *85 प्लस आयु और दिव्यांग मतदाताओं के लिए होगी होम वोटिंग, कोई मतदाता न छूटे पर खास जोर*

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार विधान सभा आम निर्वाचन 2025 को लेकर प्रशासन मतदाता सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। चुनाव कार्य में प्रतिनियुक्त कर्मियों को मतदान का अवसर देने के उद्देश्य से भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार बक्सर जिले में फैसिलिटेशन सेंटर की स्थापना की गई है। एम.पी. हाई स्कूल, बक्सर में बनाए गए इस केंद्र पर 28 और 29 अक्टूबर को पोस्टल बैलेट पेपर से मतदान की प्रक्रिया संचालित हो रही है।

जानकारी के अनुसार पटना, भोजपुर, खगड़िया, वैशाली, बेगूसराय, मधेपुरा, मुजफ्फरपुर, सीवान, शेखपुरा, समस्तीपुर, सहरसा, सारण, दरभंगा, नालंदा, गोपालगंज, लखीसराय एवं मुंगेर जिले के वे अधिकारी-कर्मी, जिन्हें बक्सर में निर्वाचन ड्यूटी मिली है और जिन्होंने विहित प्रपत्र के माध्यम से पोस्टल बैलेट हेतु आवेदन दिया था, वे इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। फैसिलिटेशन सेंटर में प्रतिनियुक्त मतदान कर्मियों को प्रातः 10 बजे से अपराह्न 5 बजे तक पोस्टल बैलेट से मतदान करने की व्यवस्था की गई है। मतदान कर्मियों को अपने मूल मतदाता पहचान पत्र के साथ निर्धारित केंद्र पर उपस्थित होना अनिवार्य रखा गया है। इसी क्रम में वरिष्ठ एवं दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा को भी प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। 85 वर्ष से अधिक आयु वाले मतदाता एवं 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले पात्र मतदाताओं के लिए ह्यहोम वोटिंगह्न की विशेष व्यवस्था की गई है। इन मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए 29 एवं 30 अक्टूबर को मतदान दल स्वयं उनके निवास स्थान पर जाकर मतदान प्रक्रिया पूरी कराएंगे। जिला प्रशासन का मानना है कि लोकतंत्र की सशक्तता इसी में निहित है कि हर पात्र मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। यही कारण है कि निर्वाचन आयोग ह्लकोई मतदाता न छूटेह्व की भावना को साकार करने के लिए लगातार नवाचारी कदम उठा रहा है। चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मी अक्सर अपने मतदान क्षेत्र से बाहर रहते हैं, जिससे वे स्वयं मतदान नहीं कर पाते। पोस्टल बैलेट और फैसिलिटेशन सेंटर जैसी व्यवस्था उनके लिए बड़ी राहत साबित हो रही है। निःसंदेह, इस प्रकार के प्रयास चुनावी माहौल को और अधिक सहभागी एवं सुगम बनाते हैं, ताकि लोकसभा हो या विधानसभाकृहर स्तर पर लोकतंत्र की आवाज पहले से कहीं ज्यादा बुलंद हो सके।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

सुभाषितम्

अमेरिका के आईटी सेक्टर में भारतीय प्रोफेशनल्स का बुरा हाल

भारत की श्रम संहिताएं एक परिवर्तनकारी कदम

चिंताओं का कारण बन रही है जुगाड़ वाली बसें

एसआईआर की सार्थक पहल का विरोध नहीं, स्वागत हो

चिंतन-मनन

खुद तय करें कि अगले जन्म में क्या बनेंगे

आज का राशिफल

विशेष

बिहार में योगी आदित्यनाथ

ट्रंप नहीं बनेंगे राष्ट्रपति

कार्टून कोना

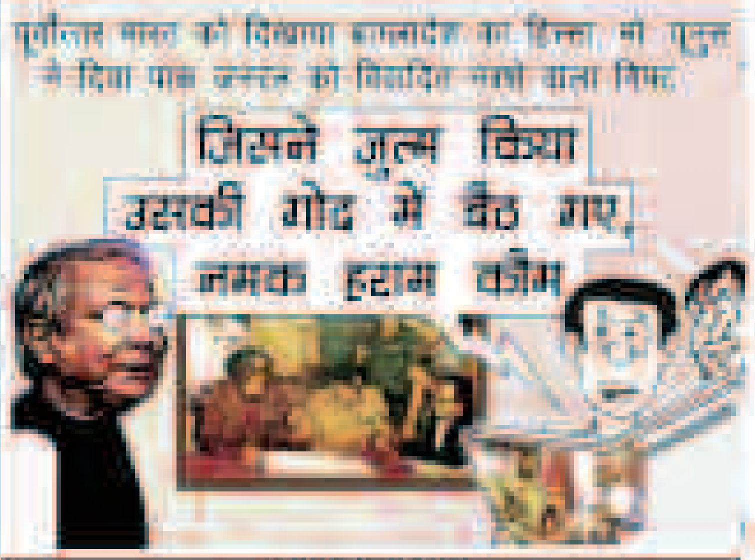

आज का इतिहास

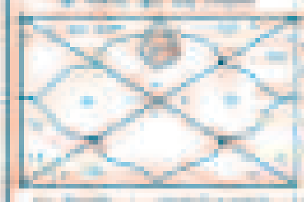

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

झारखंड

बक्सर, 30 अक्टूबर 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार, पर्यावरण संरक्षण जरूरी -रमैया

धनबाद, एजेंसी। बीसीसीएल में विशेष अभियान 5.10 के तहत कंपनी मुख्यालय कोयला भवन में बुधवार को पर्यावरण संरक्षण एवं हरित पहल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पौधा वितरण कार्यक्रम किया गया। इसका उद्देश्य कर्मचारियों को हरित आवरण में वृद्धि एवं स्वच्छ, स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीसीसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया ने की। उन्होंने बीसीएमयू के पदाधिकारी आरके तिवारी को पौधे देकर कार्यक्रम की शुरुआत की। तत्पश्चात कोयला भवन में के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच 400 पौधे बांटे गये। इस दौरान निदेशक श्री रमैया ने उपस्थित कर्मियों से अपने कार्यस्थलों और आवासीय परिसरों में पौधरोपण की अपील की। उन्होंने कहा -पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार है। पर्यावरण संरक्षण में प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी अनिवार्य है। स्वच्छ और हरित वातावरण न केवल हमारे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करता है। मौके पर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) कुमार मनोज, महाप्रबंधक (श्रमशक्ति नियोजन) अपूर्व कुमार मित्रा, महाप्रबंधक (सीटीपी एवं सुरक्षा) हफीजुल कुरैशी समेत मुख्यालय के अन्य महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

एसएनएमएमसीएच में आयुष्मान योजना से पहली बार हुआ मैंडिबल फैक्चर का ऑपरेशन

धनबाद, एजेंसी। शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) के दंत चिकित्सा विभाग के लिए सोमवार का दिन ऐतिहासिक रहा। 27 अक्टूबर, सोमवार को विभाग में आयुष्मान भारत योजना के तहत पहली बार मैंडिबल (जबड़े की हड्डी) फैक्चर का ऑपरेशन सफलतापूर्वक हुआ। यह सर्जरी तारों की मदद से क्लोज्ड रिडक्शन तकनीक के जरिए की गयी। मरीज जदुलाल महतो को यह उपचार आयुष्मान योजना के तहत निःशुल्क मिला। सर्जरी का नेतृत्व दंत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अनिमेष ने किया। यह एसएनएमएमसीएच के दंत विभाग में किया गया पहला ऑपरेशन है। दंत विभाग के चिकित्सकों ने बताया कि अबतक जबड़े की हड्डी से जुड़ी गंभीर चोटों के मरीजों को इलाज के लिए बाहर रेफर करना पड़ता था, लेकिन अब विभाग में उपलब्ध नई सुविधाओं व प्रशिक्षित विशेषज्ञों के कारण ऐसे जटिल ऑपरेशन भी यहीं संभव हो सकेंगे। विभाग ने इस उपलब्धि का श्रेय अस्पताल के अधीक्षक डॉ डीके गिंदौरिया को दिया। उनके सहयोग व मार्गदर्शन से यह प्रयास सफल हुआ। अधीक्षक डॉ डीके गिंदौरिया ने इस उपलब्धि पर खुशी जतायी है। उन्होंने कहा कि यह एसएनएमएमसीएच के लिए एक नया अध्याय है। उन्होंने दंत विभाग की टीम को बधाई देते हुए कहा कि अस्पताल जल्द ही मरीजों को और बेहतर व आधुनिक दंत चिकित्सा सेवाएं देने की दिशा में कदम बढ़ायेगा। डॉ अनिमेष ने बताया कि विभाग का लक्ष्य आयुष्मान भारत योजना के तहत और भी अधिक जरूरतमंद मरीजों को गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराना है।

रेकी व फायरिंग के लिए दशरथ शुक्ला ने गोपाल को दिये थे दो हजार रुपये

जमशेदपुर, एजेंसी। गोली लगने से घायल गोलमुरी गाढ़ाबासा निवासी गोपाल महानंद से पुलिस ने पूछताछ की। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि हरेराम सिंह के घर पर हुए फायरिंग में वह शामिल था। 10 अक्तूबर की सुबह उसके साथ राजेश और कोंदू भी हरेराम सिंह के घर गये थे। सुबह करीब 4-45 बजे वे लोग हरेराम सिंह के घर के पास पहुंचे थे, जिसके बाद राजेश ने हवाई फायरिंग की थी। फायरिंग कर हमलोग घर लौट गये। फायरिंग की वारदात से दो दिन पहले आठ अक्तूबर को वह कार से हरेराम सिंह के घर की रेकी करने गया था। पूछताछ में उसने बताया कि दशरथ ने पहले उसे एक हथियार रखने के लिए दिया था। 9 अक्तूबर को दशरथ ने राजेश, कोंदू और मुझे एक-एक हथियार दिये थे। फायरिंग करने के बाद दशरथ ने तीनों हथियार रख लिया था। दशरथ शुक्ला ने उसे दो हजार रुपये भी दिये थे। इसके अलावा मोटरसाइकिल खरीदने का भरोसा दिया था। गोली चलाने के बाद वह दशरथ द्वारा पूर्व में दिये गये पिस्तौल व गोली को साथ लेकर राउरकेला में अपने एक रिश्तेदार के घर चला गया था। जहां दो दिन रहने के बाद वह वापस जुगसलाई अपने एक दोस्त के घर लौटा। पिछले करीब 10 दिन से वह जुगसलाई में रह रहा था। इस दौरान उसने ठेकेदारी में काम करना शुरू कर दिया था। रविवार को वह सिदगोड़ा में दोस्त के साथ टेंपो से छठ घाट गया था। लौटने के बाद उसने शराब की बोतल व चखना लिया और रात में क्वार्टर में दोनों ने शराब पी। शराब पीने के बाद दोस्त वहां से चला गया। गोपाल ने पुलिस को बताया कि उक्त दोस्त से घाघीडीह जेल में उसकी जान पहचान हुई थी। इधर, पुलिस उक्त दोस्त की तलाश में जुटी है।

प्रदेश में खुलेंगे 4 नए मेडिकल कॉलेज, एमबीबीएस की 350 सीटें बढ़ेंगी, केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

रांची, एजेंसी। चिकित्सकों की कमी से जूझ रहे झारखंड में 4 नए मेडिकल कॉलेज खुलेंगे। ये मेडिकल कॉलेज खूंटी, जामताड़ा, धनबाद तथा गिरिडीह में खुलेंगे, जो पीपीपी मोड पर संचालित होंगे। मंगलवार को नई दिल्ली में वित्तीय मामलों के विभाग की हुई बैठक में राज्य सरकार के प्रस्ताव पर मंजूरी मिली। यह स्वीकृति भारत सरकार की पीपीपी मोड में मेडिकल कालेज स्थापना योजना के तहत दी गई, जिसका उद्देश्य देशभर में चिकित्सा शिक्षा का विस्तार और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाना है।

वित्तीय मामलों के विभाग की हुई बैठक में झारखंड सरकार की ओर से स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने प्रस्तुति दी।

प्रस्तुति के बाद केंद्र ने प्रस्ताव पर स्वीकृति प्रदान की। यह योजना केंद्रीय वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग द्वारा संचालित वाइबलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) की उप योजना-1 एवं उप योजना-2 के अंतर्गत कार्यान्वित की जाएगी। इसके तहत धनबाद में उप योजना-1 तथा अन्य जिलों में उप योजना-2 के तहत मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे।

खूंटी, जामताड़ा तथा गिरिडीह में मेडिकल कॉलेज के लिए उप योजना-2 के तहत भारत सरकार 40 प्रतिशत पूंजीगत व्यय सहायता तथा 25 प्रतिशत परिचालन व्यय सहायता प्रदान करेगी, जबकि राज्य सरकार 25 से 40 प्रतिशत तक पूंजीगत व्यय तथा 15 से 25 प्रतिशत तक परिचालन व्यय के रूप में योगदान देगी।

धनबाद में मेडिकल कॉलेज के लिए उप योजना-1

के तहत पूंजी व्यय सहायता के तहत 30 प्रतिशत तथा राज्य सरकार भी इतनी ही राशि का वहन करेगी।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इस साझेदारी से न केवल चिकित्सा शिक्षा में सुधार होगा, बल्कि राज्य में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। विभाग के अपर मुख्य सचिव चार नए मेडिकल कालेज खुलने से ग्रामीण और अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता में उल्लेखनीय सुधार होगा।

साथ ही चिकित्सा शिक्षा की पहुंच बढ़ेगी और स्वास्थ्य अवसंरचना को नई मजबूती मिलेगी। साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

इन चारों जिलों में मेडिकल कालेज की स्थापना से एमबीबीएस में 350 सीटों की वृद्धि हो जाएगी। खूंटी में 50 तथा अन्य जिलों में 100-100 सीटों पर पर नामांकन हो सकेगा।

उपायुक्त ने किया ब्लड बैंक का निरीक्षण, कहा : खराब मशीनें तत्काल बदलें

धनबाद, एजेंसी। उपायुक्त आदित्य रंजन ने मंगलवार को एसएनएमएमसीएच के ब्लड बैंक का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां लगी सभी मशीनों की जांच की। इस दौरान कई मशीनें खराब मिलीं। उन्होंने तत्काल ऐसी मशीनों को दुरुस्त करने का निर्देश दिया। वहीं जिन मशीनों की मरम्मत नहीं हो सकती, उन्हें तत्काल बदलकर नया लगाने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने अस्पताल प्रबंधन को खराब मशीनों की सूची 24 घंटे के अंदर देने का निर्देश दिया है, जिसके अनुसार जिला प्रशासन के सहयोग से मशीनों की खरीदारी होगी।

मीडिया से बात करते हुए उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि यह निरीक्षण राज्य स्तर पर चल रही निगरानी (मॉनिटरिंग) की एक कड़ी है। मेडिकल कॉलेज के ब्लड स्टोरेज मशीनें उत्कृष्ट गुणवत्ता की हैं, हालांकि वर्षों से लगातार उपयोग में होने के कारण कुछ में छोटी-मोटी तकनीकी खराबी आ गयी हैं। मौके पर एसडीओ राजेश कुमार, सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा, एसएनएमएमसीएच के अधीक्षक सह प्रभारी प्राचार्य डॉ डीके गिंदौरिया, ब्लड बैंक के प्रभारी डॉ बीके पांडेय, वरीय अस्पताल प्रबंधक डॉ चंद्रशेखर सुमन, गायनी विभाग की एचओडी डॉ राजलक्ष्मी तुबीद, रेडक्रॉस के कार्यकारिणी सदस्य कुमार मधुरेंद्र सिंह आदि थे।

उपायुक्त ने ब्लड स्टोरेज व रक्त चढ़ाने की प्रक्रिया में सुरक्षा व गुणवत्ता सुनिश्चित करने के संबंध में कई महत्वपूर्ण निर्देश दिये। कहा कि जिले में सभी ब्लड यूनिटों का व्यापक आकलन कर कमियों को ठीक किया जायेगा। वहीं निर्देश दिया कि रक्तदान से पहले काउंसलिंग से लेकर सैंपलों की जांच प्रक्रिया तक, हर चरण में सावधानी बरतें। उन्होंने ब्लड बैंक में काउंसेलर की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। रक्त को स्टोरेज के लिए रखने से पहले उसमें संक्रामक बीमारी की जांच अनिवार्य रूप से करने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने कहा कि धनबाद में जल्द ही उपकरणों व सुविधाओं से सुसज्जित एक अत्याधुनिक मोबाइल ब्लड डोनेशन वैन की व्यवस्था की जायेगी। इसके अंदर ही रक्तदान करने की पूरी सुविधा होगी। कहा कि ब्लड डोनेशन कैंपों की निगरानी स्वास्थ्य विभाग द्वारा करना अति आवश्यक है। उन्होंने निजी अस्पतालों को भी नियमित रूप से ब्लड डोनेशन कैंप लगाने के निर्देश दिया गया।

सदर अस्पताल चाईबासा में बच्चों को संक्रमित रक्त चढ़ाने के मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के सभी जिलों के ब्लड बैंक का ऑडिट कराने का निर्देश दिया है। इसे लेकर बुधवार को राज्यस्तरीय टीम एसएनएमएमसीएच पहुंचकर ब्लड बैंक का निरीक्षण करेगी। इसके बाद टीम में शामिल अधिकारी उपायुक्त के साथ बैठक करेंगे। इसमें जिला स्वास्थ्य विभाग व एसएनएमएमसीएच के अधिकारी भी शामिल होंगे।

कोडरमा में चेन स्नैचिंग गिरोह का भंडाफोड़, पुलिस की गिरफ्त में आई ओडिया बोलने वाली आठ महिलाएं

कोडरमा, एजेंसी। छठ पूजा के दौरान स्थानीय लोगों ने चेन स्नैचिंग गिरोह को पकड़ा है। गिरोह में 8 महिलाएं हैं, जो ओडिया भाषा बोलती हैं। इससे पहले टोटो से भाग रही गिरोह की सभी महिलाओं को रांची- पटना मुख्य मार्ग से पकड़ा गया हैं, ये चेन स्नैचिंग गिरोह कोडरमा के महतो अहरा स्थित छठव्रती महिलाओं के गले से सोने की चेन छीनकर भाग रही थीं।

फिलहाल, गिरोह की सभी महिलाओं और टोटो चालक को पुलिस के हवाले कर दिया गया हैं, जहां पुलिस इन महिलाओं से घटना के संबंध में पूछताछ कर रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि जब चेन स्नैचिंग की घटना घटी तो कौतूहल मच गया। जिसके बाद स्नैचर की पहचान होने लगी। इसी दौरान कुछ महिलाएं घटनास्थल से टोटो से भागने लगी, जिसके बाद पीछा कर महिलाओं को पकड़ा गया।

स्थानीय गुड्डू सिंह ने बताया कि पकड़ी गई सभी महिलाएं ओडिया बोलती हैं और स्थानीय नहीं हैं। इन महिलाओं के ग्रुप से सोने की चेन कटिंग करने वाला कटर और छठ घाटों से महिला की चुराई गई चेन को बरामद किया गया है। फिलहाल हिरासत में ली गई महिलाओं से पुलिस यह जानने में जुटी है कि इससे पहले हुई चेन स्नैचिंग की घटनाओं में इनकी क्या संलिप्तता रही हैं?बता दें कि इससे पहले कोडरमा के भीड़भाड़ वाले इलाके झुमरी तिलैया के झंडा चौक पर इंदरवा बस्ती निवासी बिंदु देवी के साथ चेन स्नैचिंग की घटना हुई थी, जब वह छठ की खरीदारी के लिए भीड़ वाली जगह पर थी, उनके गले की सोने की चेन पर पकड़े गए गिरोह की महिलाओं ने हाथ साफ किया था।

बुरी तरह फंस गए हजारीबाग के बीजेपी विधायक, प्रतिबंधित वन भूमि की जमीन लेने का आरोप

रांची, एजेंसी। हजारीबाग के बहुचर्चित वन भूमि घोटाले में वहां के भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद को भी एसीबी ने अभियुक्त बनाया है। विधायक पर आरोप है कि उन्होंने प्रतिबंधित वन भूमि खरीदी थी। वन भूमि से संबंधित कुछ जमीन का पावर भी उन्होंने गलत तरीके से ले रखा था। इस मामले में पहले से नेक्सजेन आटोमोबाइल के संचालक विनय सिंह व उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह के अलावा हजारीबाग के तत्कालीन उपायुक्त विनय कुमार चौबे आरोपित हैं।

निलंबित आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे व उनके करीबी नेक्सजेन के संचालक विनय सिंह वर्तमान में न्यायिक हिरासत में जेल में बंद हैं। अब भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद के विरुद्ध भी एसीबी कार्रवाई की

तैयारी में है। विधायक पर आरोप है कि वे कारोबारी विनय सिंह के रजिस्ट्री में गवाह भी बने थे। एसीबी ने बाद में हजारीबाग के तत्कालीन अंचलाधिकारी शैलेश कुमार व जमीन दलाल विजय सिंह को भी गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा था।

एसीबी ने विधायक के माध्यम से खरीदी गई जमीन का ब्यौरा भी खंगाला है। अभी जांच जारी है। बताया जा रहा है कि पूर्व में वे जमीन रहे हैं। एसीबी उन सभी जमीन का ब्यौरा खंगाल रही है। प्रारंभिक जांच में एसीबी को वन भूमि की जमीन की अवैध तरीके से खरीद-बिक्री मामले में उनके विरुद्ध साक्ष्य मिले हैं।

हजारीबाग के तत्कालीन अधिकारियों ने पद का दुरुपयोग कर जमीन घोटाला किया है। एसीबी ने एसीबी थाना हजारीबाग में दर्ज कांड संख्या 11/2025 में निलंबित आईएएस विनय कुमार चौबे, नेक्सजेन आटोमोबाइल के मालिक विनय सिंह व उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह सहित अन्य को आरोपित बनाया है।

विनय सिंह ने वर्ष 2010 में वन भूमि की रजिस्ट्री करवा ली थी। इसमें हजारीबाग के सदर अंचल के बभनवे मौजा में खाता नंबर 95 के तीन प्लाट पर 28 डिसमिल व खाता नंबर 73 के एक प्लाट पर 72 डिसमिल वन भूमि की जमीन की रजिस्ट्री हुई थी।

पहले मिली शिकायत के बाद एसीबी ने प्रारंभिक जांच (पीई) की थी। पीई में ही यह स्पष्ट हो गया था कि हजारीबाग में बड़ा वन भूमि घोटाला हुआ है। इसके बाद एसीबी ने प्राथमिकी दर्ज करने के लिए मंत्रिमंडल निगरानी एवं सचिवालय विभाग से अनुमति ली और फिर नियमित केस दर्ज कर पूरे मामले की जांच शुरू की है।

एसीबी द्वारा वन भूमि खरीदने संबंधी आरोपों पर हजारीबाग के भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा है कि सच्चाई कभी छिपती नहीं है। एसीबी पूरे मामले की जांच कर ले।

रोटी के लिए निकला था नवाब, परिजनों को मिली जनाजा उठने की खबर, पलामू में दुकानदार की चाकू से हत्या

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले के हरिहरगंज थाना क्षेत्र में सोमवार की शाम उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब ब्लॉक के समीप वेल्डिंग वर्कशॉप चलाने वाले एक दुकानदार की अज्ञात अपराधियों ने चाकू मारकर हत्या कर दी। इस दर्दनाक वारदात से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान 42 वर्षीय जसमुद्दीन अंसारी उर्फ नवाब, पिता वहाब अंसारी, निवासी सतगावां गांव के रूप में हुई है।

परिजनों के अनुसार, सोमवार की शाम कुछ अज्ञात लोगों ने फोन कर ब्लॉक के पीछे स्थित कर्बला के पास गेट-ग्रिल का काम देने के बहाने जसमुद्दीन को बुलाया था। जैसे ही वे मौके पर पहुंचे, पहले से घात लगाए अपराधियों ने उन पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया। जिससे वे बुरी तरह घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें तत्काल हरिहरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए औरंगाबाद रेफर कर दिया। लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

जसमुद्दीन अपने परिवार के इकलौते कमाऊ सदस्य थे। उनकी मौत की खबर जैसे ही घर पहुंची, पत्नी कस्तूरी खातून, बेटा अदन और बेटी आयुषी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गांव में मातम पसरा है, वहीं ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। यही कारण है कि वारदात के बाद आक्रोशित लोगों ने थाना के समीप सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने हत्या की कड़ी निंदा करते हुए अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है।

स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए मौके पर पहुंचे पूर्व विधायक सह बसपा प्रदेश अध्यक्ष कुशवाहा शिवपूजन मेहता ने ग्रामीणों से शांत रहने की अपील की। प्रशासन द्वारा शीघ्र कार्रवाई और अपराधियों की गिरफ्तारी के आश्वासन के बाद लोगों ने जाम समाप्त कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही प्रभारी थाना प्रभारी संतोष कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और छानबीन शुरू की। उन्होंने बताया कि पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है। अपराधियों की पहचान के लिए विशेष टीम गठित की गई है। जल्द ही घटना का पर्दाफाश किया जाएगा।

कुछ तो शर्म करो! पूर्व सीएम ने हेमंत सरकार को घेरा, कहा- 2 लाख मुआवजा इंसानियत का मजाक

सरायकेला, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन चाईबासा के सदर अस्पताल में बच्ची को एचआईवी पॉजिटिव बल्ड चढ़ाने के मामले में हेमंत सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने सरकार पर इस केस की लीपा पोती करने का आरोप लगाया। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि चाईबासा में हुई दुखद घटना ने झकझोर कर रख दिया।

जब भी हम लोग किसी डॉक्टर के पास या अस्पताल जाते हैं, तो स्वस्थ होने के साथ साथ जिंदगी के रक्षा की उम्मीद लगाते हैं। लेकिन चाईबासा की इस घटना ने भरोसे और विश्वास को तोड़ कर रख दिया। यह लापरवाही नहीं, बल्कि अपराध है, जिसके दोषियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करवाया जाना चाहिए। उन्होंने अफसोस जातते हुए आगे लिखा कि राज्य सरकार कुछ लोगों को निलंबित कर के पूरे मामले की लीपापोती करने का प्रयास कर रही है।

चंपाई सोरेन ने आगे लिखा कि राज्य सरकार ने इन मासूम बच्चों की जिंदगी की कीमत 2-2 लाख रुपये लगाकर अपनी असंवेदनशीलता का परिचय दिया है। यह न्याय की मूल अवधारणा का मजाक है। सरकार को एक सरकारी अस्पताल में डॉक्टरों और कर्मचारियों द्वारा किए गए इस अपराध की जिम्मेदारी लेकर हर परिवार को कम से कम 1-1 करोड़ रुपए

मुआवजा देना चाहिए। साथ ही पीड़ित परिवार की मर्जी के अस्पतालों में आजीवन मुफ्त इलाज की सुविधा देनी चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने आगे कहा कि इतने गंभीर मामले में भी जिस प्रकार हाईकोर्ट के हस्तक्षेप से पहले मामले को दबाने की पुरजोर कोशिश हुई, उसके बाद स्वास्थ्य मंत्री को अपने पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। लेकिन विडंबना ये है कि सीएम और स्वास्थ्य मंत्री पीड़ितों को मुआवजा देकर सोशल मीडिया पर ऐसे बर्ताव कर रहे हैं जैसे वे उन पर कोई ऐहसान कर रहे हों। उन्होंने अंत में लिखा कि अरे, कुछ तो शर्म करो !

सीजीएल पेपर लीक मामले में वित्त विभाग का एसओ संतोष कुमार मस्ताना गिरफ्तार, भेजा गया जेल

रांची, एजेंसी। झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की सीजीएल पेपर लीक मामले की जांच कर रही अपराध अनुसंधान विभाग ने वित्त विभाग के सेक्शन अफिसर (एसओ) संतोष कुमार मस्ताना को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सीआईडी ने उसके पास से मोबाइल व अन्य कागजात की जब्ती की है।

अब सीआईडी मस्ताना के मोबाइल की जांच कराएगी और उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। सेक्शन अधिकारी संतोष कुमार मस्ताना ने जानकारी दी है कि उसके पास भी किसी ने प्रश्न पत्र लीक होने की सूचना भेजी थी। सीआईडी को अब तक की जांच में पता चला है कि राज्य में सीजीएल पेपर लीक हुआ ही नहीं था। अफवाह फैलाकर पूरे मामले को तूल दिया गया है। हालांकि, अभी जांच पूरी नहीं हो सकी है, इसलिए इस बिंदु पर अधिकारी अधिकृत बयान देने से परहेज कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि सीजीएल का प्रश्नपत्र लीक नहीं हुआ था, बल्कि पेपर लीक के नाम पर अभ्यर्थियों से ठगी की गई थी। हालांकि, सीआईडी की इस जांच से अभ्यर्थी संतुष्ट नहीं हैं और वे इस मामले की सीबीआइ से जांच कराने की मांग कर रहे हैं। सीजीएल प्रश्न पत्र लीक मामले में हाई कोर्ट में 29 अक्टूबर को सुनवाई होनी है। यह सुनवाई परीक्षा के अंतिम परिणाम के प्रकाशन पर रोक हटाने वाली याचिका पर होनी है। सीजीएल परीक्षा 21 व 22 सितंबर 2024 को आयोजित की गई थी। तब आरोप लगा था कि परीक्षा से पहले ही पेपर लीक हो गए थे। अभ्यर्थियों को प्रश्नों के उत्तर भी रटवाए गए थे और उसके एवज में राशि की वसूली हुई थी।

गिरिडीह में नवविवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

गिरिडीह, एजेंसी।गिरिडीह जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सिहोडीह चौधरी मुहल्ला में नवविवाहिता ने सुसाइड कर ली। उसका नाम सुलेखा कुमारी है। जानकारी के मुताबिक, सुलेखा की शादी पटना निवासी प्रल्हाद तिवारी से करीब एक माह पहले कोर्ट मैरिज के जरिए हुई थी। दोनों एक-दूसरे से प्रेम करते थे। परिजनों की रजामंदी से विवाह हुआ था। विवाह के बाद से सुलेखा अपनी मां मुन्नी देवी के साथ सिहोडीह स्थित मकान में रह रही थी।

फोन पर विवाद के बाद उठाया कदम: घटना के वक्त सुलेखा अपनी मां के साथ घर में सो रही थी। देर रात उसके पति प्रल्हाद तिवारी का फोन आया और दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। कुछ देर बाद सुलेखा ने अपनी मां से कहा कि दो मिनट में आती हूं और कमरे से बाहर चली गई। जब काफी देर तक वह वापस नहीं लौटी, तो मां को चिंता हुई।

इसी बीच उसके पति ने घर में रह रहे एक किरायेदार को फोन कर बताया कि सुलेखा फांसी लगा रही है, जल्दी देखिए। जब दरवाजा अंदर से बंद मिला, तो दुछत्ती के रास्ते कमरे में प्रवेश किया गया। अंदर का दृश्य देखकर

सबके होश उड़ गए। सुलेखा फंदे से झूल रही थी। परिजन और पड़ोसी तुरंत उसे गिरिडीह सदर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

निजी अस्पताल में नर्स थी सुलेखा : परिजनों ने बताया कि सुलेखा के पिता का निधन लगभग दस वर्ष पूर्व हो चुका था। पिता की मौत के बाद घर की आर्थिक जिम्मेदारी उसने खुद संभाली थी। वह गिरिडीह के एक निजी अस्पताल में नर्स के रूप में कार्यरत थी। मेहनती और जिम्मेदार स्वभाव की सुलेखा अपने परिवार की रीढ़ मानी जाती थी। परिजनों के अनुसार, शादी के बाद से वह खुश दिखती थी, लेकिन बीती रात पति से हुए विवाद के बाद उसने यह चरम कदम उठा लिया।

मां और भाई का रो-रोकर बुरा हाल : घटना के बाद पूरे मुहल्ले में मातम का माहौल है। मां मुन्नी देवी और छोटे भाई का रो-रोकर बुरा हाल है। पड़ोसी भी परिवार को ढांढस बंधा रहे हैं। उधर, सूचना मिलने पर मुफ्फसिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है और पति प्रह्लाद तिवारी से पूछताछ की जा रही है।

30.10.25_1.09.25 Final.qxd 30-10-2025 11:46 Page 6

बेहतर करियर हो सकता है ऑप्थैलमिक असिस्टेंट

मेडिकल सेक्टर में डॉक्टर बनने के अलावा अब करियर के अनगिनत विकल्प हैं। अगर आप इसमें एंट्री करना चाहते हैं, तो ऑप्थैलमिक असिस्टेंट एक बेहतर करियर हो सकता है। इस तरह के ट्रेंड प्रोफेशनल अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से आंखों की जांच करके सटीक डायग्नोसिस तक पहुंचते हैं।

मेडिकल फील्ड में पैरामेडिकल साइंस की भूमिका को आज के दौर में कतई नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। डायग्नोस्टिक तकनीक हेल्थकेयर सेक्टर के लिए सबसे बड़ा वरदान साबित हुई है। आज अमूमन सभी स्पेशलिस्ट आम तौर पर लैब टेस्ट, एक्सरे, ईसीजी, अल्ट्रासाउंड या सीटी स्कैन की रिपोर्ट्स के नतीजों पर ही निर्भर हैं। एक अनुमान के मुताबिक, 2050 तक देश की आबादी करीब 150 करोड़ हो जाएगी। आज आबादी के लिहाज से देश में ऑप्थैलमिक असिस्टेंट, लैब टेक्निशियन या रेडियोलॉजिस्ट जैसे ट्रेंड क्वॉलिफाइड स्टाफ की बेहद कमी है। मौजूदा समय में देश में करीब 10 लाख पैरामेडिकल स्टाफ की शॉर्टेज है।

क्या है ऑप्थैलमोलॉजी?

ऑप्थैलमोलॉजी चिकित्सा विज्ञान की ही एक शाखा है। इसमें आंख संबंधी बीमारियों की जांच व उपचार किया जाता है। ऑप्थैलमिक असिस्टेंट हेल्थकेयर सेक्टर का एंट्री-लेवल जॉब है। ये ऑप्थैलमोलॉजिस्ट, यानी नेत्र चिकित्सक के सह यक के तौर पर अपनी सेवाएं देते हैं। किसी भी अस्पताल या नर्सिंग होम में ऑप्थैलमिक असिस्टेंट मुख्य रूप से मरीजों की मेडिकल इंफॉर्मेशन जुटाने, उपचार के बारे में उन्हें समझाने से लेकर चिकित्सक से पहले मरीजों की कुछ आरंभिक जांच करने तथा उपकरणों को मेंटेन रखने जैसी जिम्मेदारियां निभाते हैं।

जॉब के अवसर

ऑप्थैलमोलॉजी में डिप्लोमा कोर्स करने के बाद युवा सरकारी या प्राइवेट दोनों तरह के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। ऐसे प्रोफेशनल्स हॉस्पिटल्स, नर्सिंग होम्स, आई क्लीनिक्स, लेजर आई सर्जरी क्लीनिक्स, डायग्नॉस्टिक सेंटर्स आदि में जॉब पा सकते हैं। ऑप्थैलमिक असिस्टेंट अनुभव के बाद टेक्निशियन बनकर खुद का क्लीनिक या आई सेंटर भी खोल सकते हैं।

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

ऑप्थैलमिक असिस्टेंट बनने के लिए देश के कई सरकारी और प्राइवेट संस्थान कोर्स ऑफर कर रहे हैं। फिजिक्स, केमिस्ट्री व बायोलॉजी विषयों से 12वीं पास युवा ऑप्थैलमोलॉजी में 2 वर्ष का डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं।

सैलरी

कोर्स पूरा करने के बाद एक ऑप्थैलमिक असिस्टेंट के रूप में शुरूआत करने पर 10 से 12 हजार रुपए सैलरी आसानी से मिल जाती है। अनुभव बढ़ने पर ऐसे प्रोफेशनल्स 25 से 30 हजार रुपए तक सैलरी पा सकते हैं।

पढ़ाई के समय अगर आती है नींद तो आजमाएं ये टिप्स

क्या आपको अलसुबह पढ़ाई करते समय नींद आती है क्या आप सुबह पढ़ाई करने पर आपको कुछ याद नहीं होता है? अगर हां तो, जान लें कि सुबह-सुबह पढ़ाई करते हुए नींद आने की यह बहुत आम समस्या है। लाखों छात्र ऐसे हैं जो सुबह पढ़ाई करने उठते तो हैं, लेकिन नींद आने के कारण पढ़ाई कर नहीं पाते। नींद की वजह से हमारा दिमाग काम करना बंद कर देता है और हमें कुछ याद नहीं आता। आंखों में नींद घुलने पर हम कुछ समय तो जबरदस्ती पढ़ने की कोशिश करते हैं लेकिन आखिर में जब सब कुछ हमारे बस से बाहर हो जाता है तो हमें बेबस होकर सोना ही पड़ता है। जिसके कारण छात्र चाहकर भी अपना सिलेबस पूरा नहीं कर पाते और दूसरों से पीछे रह जाते हैं। आपकी इस समस्या को ध्यान में रखकर हम यहां पर आसान टिप्स लेकर आए हैं, जिनको फॉलो करने पर आपकी नींद भाग जाएगी और आप आसानी से पढ़ाई कर सकेंगे।

अच्छी रोशनी में करें पढ़ाई

सुबह उठने के बाद बहुत से विद्यार्थी सिर्फ एक स्टडी लैंप जला कर पढ़ाई करने की कोशिश करते हैं। एक लैंप की वजह से कमरे के बाकी हिस्से में तकरीबन अंधेरा रहता है। इस कम रोशनी और शांति वातावरण में नींद आना स्वभाविक है। ऐसी स्थिति में स्टडी रूम की लाइट ठीक रखें।

बेड पर बैठकर कभी न करें पढ़ाई

छात्रों के बीच यह समस्या भी आम है। कई लोग सुबह उठने के बाद बेड पर बैठकर ही पढ़ाई शुरू कर देते हैं। इससे आपको आलस आ सकता है। आप धीरे धीरे लेट कर पढ़ने की कोशिश करेंगे और फिर नींद आपको अपने आगोश में ले लेगी। इसलिए पढ़ाई करते समय हमेशा कुर्सी पर सही ढंग से पीठ सीधी करके ही बैठें। सामने एक टेबल रखें और किताब गोद में रखकर पढ़ने की बजाए सामने टेबल पर रखकर पढ़ें। कुर्सी पर बैठे समय भी अपने हाथ या पांव कुछ-कुछ समय बाद हिलाते रहें। इससे आपके अन्दर सक्रियता बनी रहेगी।

सुबह उठकर ताजी हवा लें और टहले

सुबह उठने के बाद अगर आप तुरंत पढ़ाई करने बैठ जाएंगे, तो जाहिर है आपको नींद आएगी ही। इसलिए उठने के बाद सबसे पहले अपनी दैनिक क्रिया पूरी करें ओर फिर बालकनी में या फिर बाहर जाकर थोड़ी देर टहलें। इससे जहां आपकी एक्सरसाइज हो जाएगी वहीं आपको ताजी हवा भी मिलेगी। इस क्रिया से आपकी नींद पूरी तरह से गायब हो जाएगी। इसके बाद आप कई घंटे तक आराम से पढ़ाई कर सकते हैं।

सुबह उठने के बाद पानी जरूर पीएं

सुबह उठने के बाद पानी जरूर पीयें। साथ ही पढ़ाई के दौरान भी कुछ कुछ समय बाद पानी पीते रहें। यह न सिर्फ आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होगा बल्कि इससे आपको एक और फायदा मिलेगा। ज्यादा पानी पीने से आप को कुछ-कुछ देर बाद अपनी सीट से उठकर टॉयलेट के लिए जाना पड़ेगा, जिससे आपके शरीर की निष्क्रयता टूटेगी और आप सक्रिय बने रहेंगे। साथ ही ज्यादा पानी पीने से दिमाग हाइड्रेटेड व तरोताजा रहता है। इससे सक्रियता बनी रहती है जिससे आसानी से पाठ याद करने में सहायता मिलती है।

जल्दी सोएं और जल्दी उठने का रूटीन बनाएं

जल्दी सोने और जल्दी उठने से शारिरिक तंदरुस्ती, समृद्धि व दिमागी शक्ति में बढ़ावा होता है। छात्रों के जीवन में भी इस कथन का उतना ही महत्व है जितना एक आम आदमी के जीवन में। रात को जल्दी सोने से आप प्रयाप्त नींद ले सकते हैं, जिससे आप सुबह बिलकुल तरोताजा उठेंगे। फ्रेश माइंड से चीजें याद रखना बहुत ही आसान होता है। वहीं नींद पूरी होने के बाद पढ़ाई करते वक्त फिर से नींद आने का कोई मतलब नहीं बनता।

नींद आए तो चेहरे पर पानी के छींटे मारें

एग्जाम के दौरान देर रात तक लगातार पढ़ने के बाद अगर आप सोते हैं, तो सुबह उठने में मुश्किल होती है। थके हुए दिमाग के साथ पढ़ाई करने पर हमें बार-बार नींद आती है। अगर आपके साथ ऐसा हो तो तुरंत उठें और बाथरूम में जाकर अपने चेहरे पर पानी के छींटे मारे। इससे आपकी सुस्ती व उनींदापन दूर होगा और आपका दिमाग नए तरीके से चीजों को याद करने के लिए तरोताजा हो जायेगा।

अगर नींद आए तो पढ़े अपना पसंदीदा विषय

पढ़ने व याद करने के लिए सुबह का समय सबसे अच्छा माना जाता है। सुबह पढ़ा विषय अच्छे से याद होता है। हालांकि अगर पढ़ते हुए आपको नींद आती है तो आप सुबह पढ़ने के लिए वो विषय चुनें जो आपके फेवरेट हो और जिन्हें आप आसानी से समझ व याद कर सकते हैं। सरल विषय या टॉपिक्स को पढ़ने और याद करने के लिए आपको ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। जिससे आपको बोरियत भी नहीं होगी और आप ज्यादा देर तक बैठकर पढ़ाई कर पाएंगे।

लिखकर करें या बोल कर करें पढ़ाई

अगर आप पढ़ाई के दौरान नींद से परेशान रहते हैं तो यह तरीका पढ़ाई करते वक्त होने वाली बोरियत तथा आने वाली नींद को दूर भगाने में काफी हद तक कारगार सिद्ध होता है। हर विषय को इस तरह से बोल बोल कर पढ़ें जैसे कि क्लास में टीचर पढ़ाते हैं। इससे आपका दिमाग सतर्क बना रहता है और नींद आने की सम्भावना भी कम हो जाती है। इसके अलावा खुद को एक्सप्लेन करके पढ़ने से चीजों को याद करना भी बहुत आसान हो जाता है। इसके साथ ही पाठ को सिर्फ मौखिक रूप से याद करने की बजाये मुश्किल उत्तरों या सवालों को लिखकर भी याद करें।

न्यूमरोलॉजिस्ट बनकर संवारें भविष्य

न्यूमरोलॉजी एक बेहद पुरानी प्रैक्टिस है, जिसका सालों से पूरी दुनिया में अभ्यास किया जाता रहा है। अपनी जन्मतिथि और पूरे नाम के आधार पर एक सरल चार्ट बनाकर, आप अपने और दूसरों के लिए संतोषजनक अंतदृष्टि प्राप्त कर सकते हैं। आज के समय में हर व्यक्ति जानना चाहता है कि उसका भविष्य कैसा होगा। भले ही फिर बात बच्चों की पढ़ाई की हो या फिर कॅरियर की, अंक शास्त्र के जरिए भविष्य की परतों को खोलने की कोशिश की जाती है। अगर आप भी चाहें तो बतौर न्यूमरोलॉजिस्ट या अंक शास्त्री बनकर ना सिर्फ खुद का बल्कि दूसरों का भी भविष्य संवारा जा सकता है। तो चलिए जानते हैं इस करियर क्षेत्र में बारे में विस्तारपूर्वक-

क्या है न्यूमरोलॉजी

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि बहुत से लोग सोचते हैं कि न्यूमरोलॉजी पूरी तरह से कन्फयूजिंग मैथ्स, फार्मूला और कई तरह के विभिन्न सिद्धांतों से भरी हुई है। जबकि ऐसा नहीं है। अंक विज्ञान वास्तव में संख्याओं की मदद से दूसरों की समस्याओं से सुलझाने की एक कला है। कुछ लोग यह भी सोचते हैं कि संख्याएं भविष्य कैसे बता सकती हैं। संख्याओं में गहरे अर्थ और प्रासंगिक जानकारी के साथ आपके भविष्य को समझने की शक्ति है। यदि आप ज्योतिष से अवगत हैं, तो निश्चित रूप से आप जानते हैं कि ज्योतिष व्यक्ति के जन्म की तारीख, समय और जन्म के समय के माध्यम से भविष्य की भविष्यवाणी करने का एक तरीका है। कुंडली के माध्यम से ज्योतिषी व्यक्ति के भविष्य और जीवन से जुड़ी जानकारी बताते हैं। ठीक उसी तरह, न्यूमरोलॉजी भी काम करती है।

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, न्यूमरोलॉजिस्ट व्यक्ति के जन्म की तारीख का उपयोग उसके व्यक्तित्व लक्षण, भाग्य, घटनाओं और परिस्थितियों का अनुमान लगाने के लिए करते हैं। ज्योतिष की तरह, न्यूमरोलॉजी व्यक्ति के जीवन का एक खाका प्रदान करती है जो काफी सटीक है।

न्यूमेरोलॉजिस्ट बनने के कई तरीके हैं। लेकिन किसी चीज में विशेषज्ञ बनने के लिए, आपको कला को पूरी तरह से सीखना होगा। ऐसे कई विकल्प हैं जिनके माध्यम से आप न्यूमेरोलॉजी सीख सकते हैं और न्यूमरोलॉजी विशेषज्ञ बन सकते हैं। इसके लिए कोई शैक्षणिक योग्यता का होना आवश्यक नहीं है। आज कई न्यूमरोलॉजी एक्सपर्ट खुद ही सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स प्रदान करते हैं। इन कोर्स को करने से आपको अंक शास्त्र और नंबरों के पीछे की गहराई को समझने में मदद मिलती है। इसके बाद आप बतौर एक प्रोफेशनल न्यूमरोलॉजिस्ट बनकर काम कर सकते हैं। वैसे इन दिनों न्यूमरोलॉजी के क्षेत्र में ऑनलाइन कोर्स का चलन भी काफी बढ़ गया है।

व्यक्तिगत योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि जहां तक प्रश्न व्यक्तिगत योग्यता का है तो इसके लिए सबसे जरूरी है कि आपके भीतर अंकों व उसकी गहराई को जानने की इच्छा हो। इस क्षेत्र में चीजों को सीखने व समझने के लिए बेहद धैर्य की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, दूसरों की परेशानी को सुनकर सटीक अनुमान लगाना भी आपको आना चाहिए। बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स आपके काम को आसान बनाते हैं।

संभावनाएं

आज के समय में हर व्यक्ति जानना चाहता है कि उसका भविष्य कैसा होगा और इसलिए अनुभवी न्यूमरोलॉजिस्ट हमेशा डिमांड में रहते हैं। आप चाहें तो स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकते हैं या फिर शुरूआत में किसी अनुभवी न्यूमरोलॉजिस्ट के साथ मिलकर काम करना अच्छा रहेगा। इसके अलावा, कई मीडिया हाउस भी न्यूमरोलॉजी शो प्रसारित करते हैं, जिनके लिए अनुभवी न्यूमरोलॉजिस्ट की आवश्यकता होती है।

अगर आप भी न सिर्फ खुद को बल्कि दूसरों की भी पर्सनालिटी को निखानने और उनको खूबसूरत बनाने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आप कॉस्मेटोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। वर्तमान समय में कॉस्मेटोलॉजी इंडस्ट्री तेजी से ग्रोथ कर रहा है।

कॉस्मेटोलॉजी के फील्ड में संवारें अपना कॅरियर...

आज के समय में हर कोई स्टाइलिश दिखना चाहता है। यही कारण है कि वर्तमान समय में न सिर्फ शहर बल्कि गांव तक में ब्यूटी सैलून, स्पा और कॉस्मेटिक क्लिनीक्स में दिन पर दिन इजाफा होता जा रहा है। जिसकी वजह से तेजी से कॉस्मेटोलॉजी इंडस्ट्री में ग्रोथ आ रहा है। आपको बता दें कि ब्यूटी एंड पर्सनल केयर मार्केट के रिपोर्ट के मुताबिक साल 2027 तक भारत की कॉस्मेटोलॉजी इंडस्ट्री की वर्थ 33.3 मिलियन यूएस डॉलर पहुंच जाएगी। ऐसे में अगर आप भी न सिर्फ खुद को बल्कि दूसरों की भी पर्सनालिटी को निखानने और उनको खूबसूरत बनाने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आप कॉस्मेटोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप कॉस्मेटोलॉजी में किस तरह से अपना कॅरियर बना सकते हैं।

कॉस्मेटोलॉजी के लिए योग्यता

कॉस्मेटोलॉजी में ग्रेजुएशन करने के लिए जरूरी है कि आपने मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं पास की है। किसी भी स्ट्रीम के छात्र कॉस्मेटोलॉजी में अपना कॅरियर बना सकते हैं। इस कोर्स को करने में 10 हजार से लेकर 2 लाख रुपए तक का खर्च आएगा। साथ ही आप इस कोर्स को ऑनलाइन और ऑफलाइन कर सकते हैं। कॉस्मेटोलॉजी में आप डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, पीजी डिप्लोमा और पोस्ट ग्रेजुएट कर सकते हैं।

कॉस्मेटोलॉजी का स्कोप

इस क्षेत्र में पढ़ाई करने वाले लोग कॉस्मेटिक सर्जन, मेकअफ आर्टिस्ट, हेयर स्टाइलिस्ट, नेल आर्टिस्ट, मेकअप आर्टिस्ट, ब्यूटी कॉपीराइटर, ब्यूटी ब्लॉगर, इमेज स्टाइलिस्ट, हेयर ड्रेसर और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट जैसे प्रोफाइल पर काम कर सकते हैं। इस क्षेत्र में आप एक महीने में 25 हजार से 35 हजार रुपए तक आसानी से कमा सकते हैं। वहीं आप बतौर हेयर स्टाइलिस्ट, नेल टेक्नीशियन, फैशन शो स्टाइलिस्ट और मेकअप आर्टिस्ट बन ज्यादा पैसे कमा सकते हैं।

जारी है भारतीय अर्थव्यवस्था की तेज रफ्तार, 2026 में पीछे होंगे चीन-यूएस

2026 में 6.3 प्रतिशत की दर से विकास करने का अनुमान लगाया था

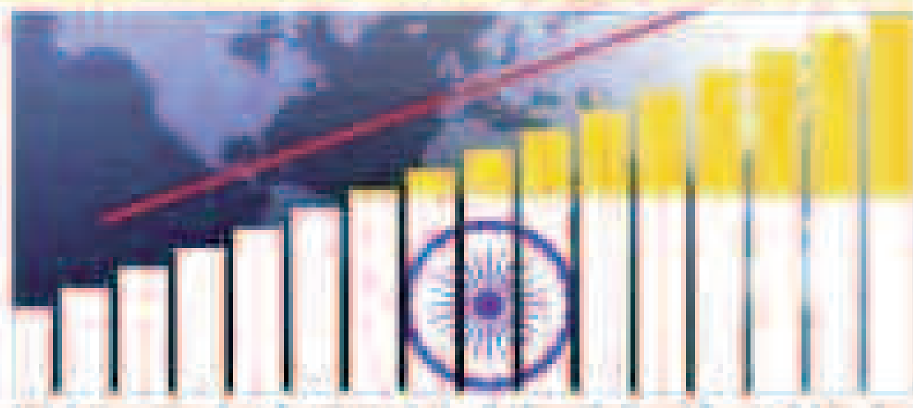

जीएसटी दरों और टैक्स दरों में कमी का असर दिखा

भारतीय अरबपति ने दिखाया दम, खरीद लिया रूस से तेल, अमेरिका की नाक के नीचे कर दी बड़ी डील

भारत में यूपीआई पेमेंट 2025 की पहली छमाही में 35 प्रतिशत बढ़ा

बैंकों के विलय का नया प्लान, एसबीआई के बाद दूसरा सबसे बड़ा बैंक बनाने की तैयारी

- बैंकों के विलय का उद्देश्य
- वित्त मंत्रालय में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ इंडिया के विलय पर चर्चा चल रही है

8वां वेतन आयोग : खत्म हुआ इंतजार

टर्म ऑफ रिफरेंस को मंजूरी

सेंसेक्स और निफ्टी की सपाट ओपनिंग

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बक्सर, 30 अक्टूबर 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

टोंक के दिव्यांग क्रिकेटर शहजान खान का राष्ट्रीय स्तर पर चयन

टोंक, एजेंसी। टोंक के एक गरीब परिवार से ताल्लुक रखने वाले दिव्यांग क्रिकेटर शहजान खान ने अपने अथक प्रयासों और मेहनत से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। शहजान ने राजस्थान टीम की दिव्यांग टीम में अपनी जगह पक्की की और तमिलनाडु में आयोजित राष्ट्रीय टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार मैचों में 6 विकेट लिए। कोच इम्तियाज अहमद की भूमिका शहजान को तेज गेंदबाजी के गुर सिखाने वाले कोच

इम्तियाज अहमद ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और उन्हें तेज गेंदबाज के रूप में तैयार किया। शहजान के चयन से टोंक में खुशी की लहर है और उनके कोच इम्तियाज अहमद ने उनकी सफलता का श्रेय उनकी मेहनत और समर्पण को दिया है।

राष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए चयन

शहजान का चयन राष्ट्रीय स्तर पर मुंबई, महाराष्ट्र में होने वाले टूर्नामेंट के लिए किया गया है, जो 5 से 7नवंबर से शुरू होगा। इस टूर्नामेंट में शहजान राजस्थान टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे और अपनी तेज गेंदबाजी से विरोधी टीमों को चुनौती देंगे।

परिवार और कोच की खुशी– शहजान के परिवार और कोच इम्तियाज अहमद ने उनके चयन पर खुशी जताई है और उनके उज्वल भविष्य की कामना की है। शहजान की इस सफलता से टोंक के युवाओं को प्रेरणा मिलेगी और वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित होंगे।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले मोहम्मद शमी ने चटकाए 8 विकेट

धाकड़ परफॉर्मेंस के बाद भी आखिर क्यों हैं टीम से बाहर?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी रणजी ट्रॉफी में कमाल दिखा रहे हैं. शमी ने 28 ओवर में 8 विकेट चटकाए. शमी ने रणजी ट्रॉफी में खेले गए पिछले मुकाबले में उत्तराखंड के खिलाफ भी 7 विकेट हासिल किए थे. शमी लगातार रणजी ट्रॉफी में बंगाल के लिए धाकड़ गेंदबाजी कर रहे हैं. इसके साथ शमी अपनी दमदार परफॉर्मेंस से टीम इंडिया के सेलेक्टर्स को ये बताना चाहते हैं कि पूरी तरह से फिट हैं और भारतीय टीम में वापसी के लिए भी तैयार हैं. इस समय टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है, जहां 5 मैचों की टी20 सीरीज खेली जानी है. लेकिन शमी इस स्क्वाड का हिस्सा नहीं हैं.

मोहम्मद शमी की धाकड़ गेंदबाजी– बंगाल और गुजरात के बीच ग्रुप स्टेज में चल रहे मुकाबले में मोहम्मद शमी ने 8 विकेट लिए. शमी ने गुजरात की पहली पारी में 18.3 ओवर में 44 रन देकर 3 विकेट लिए. वहीं गुजरात के बल्लेबाज दूसरी पारी में भी शमी के सामने नहीं टिक पाए. शमी ने गुजरात की दूसरी पारी में पांच बल्लेबाजों को वापस पवेलियन भेजा और पांच विकेट हॉल पूरा किया. शमी की इस धमाकेदार गेंदबाजी की वजह से बंगाल ने ये मुकाबला 141 रनों से जीत लिया.

हिम्मत हो तो कुछ भी मुमकिन है

गर्भावस्था में 145 किलो वजन उठाकर दिल्ली पुलिस की सोनिका बनीं मिसाल

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रतियोगिता के दौरान किसी को भी उनकी गर्भावस्था का अंदाजा नहीं था, क्योंकि सोनिका ने ढीले कपड़े पहने हुए थे। जब उनके पति ने बेंच प्रेस के बाद उनकी मदद की, तब भी किसी को कुछ संदेह नहीं हुआ। सच्चाई तब सामने आई जब सोनिका ने अपना आखिरी डेडलिफ्ट (145 किग्रा) पूरा किया। इसके बाद दर्शकों ने उनका तालियां बजाकर उत्साह बढ़ाया और महिला पुलिसकर्मियों ने उन्हें बधाई दी। ऑल इंडिया पुलिस वेटलिफ्टिंग क्लस्टर 2025-26 में दिल्ली पुलिस की कॉन्स्टेबल सोनिका यादव ने प्रेरणादायक मिसाल पेश की। सात महीने की गर्भवती होने के बावजूद, उन्होंने कुल 145 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। सोनिका ने प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 125 किग्रा स्क्वॉट, 80 किग्रा बेंच प्रेस, और 145 किग्रा डेडलिफ्ट उठाए।

देश के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं सोनिका

गर्भावस्था के बावजूद उनकी इस उपलब्धि ने न केवल पुलिस बल बल्कि पूरे देश को प्रेरित किया है। मई में जब सोनिका को अपनी गर्भावस्था का पता चला, तब सबको लगा कि वह अपनी ट्रेनिंग रोक देंगी। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। डॉक्टरों की निगरानी में उन्होंने अपना वर्कआउट जारी रखा और अपनी फिटनेस व खेल दोनों के प्रति समर्पण बनाए रखा। प्रतियोगिता के दौरान किसी को भी उनकी गर्भावस्था का अंदाजा नहीं था, क्योंकि सोनिका ने ढीले कपड़े पहने हुए थे। जब उनके पति ने बेंच प्रेस के बाद उनकी मदद की, तब भी किसी को कुछ संदेह नहीं हुआ। सच्चाई तब सामने आई जब सोनिका ने अपना आखिरी डेडलिफ्ट (145 किग्रा) पूरा किया। इसके बाद दर्शकों तालियों बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया और महिला पुलिसकर्मियों ने उन्हें बधाई दी।

लूसी मार्टिन्स से मिली प्रेरणा

तैयारी के दौरान सोनिका ने अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टर लूसी मार्टिन्स से प्रेरणा ली, जो गर्भावस्था में भी प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुकी हैं। सोनिका ने उनसे इंस्टाग्राम पर संपर्क कर सलाह और मोटिवेशन प्राप्त किया। 2014 बैच की यह अधिकारी इस समय कम्युनिटी पुलिसिंग सेल में तैनात हैं। इससे पहले, वे मजनू का टीला क्षेत्र में बीट ऑफिसर के रूप में एंटी–ड्रग जागरूकता अभियानों में अहम भूमिका निभा चुकी हैं। उनके समर्पण और साहस को पहले भी सराहा गया है। 2022 में दिल्ली पुलिस आयुक्त ने उन्हें सम्मानित किया था और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भी महिला दिवस पर उनकी हिम्मत और लगन की तारीफ की थी। आंध्र प्रदेश में जब सोनिका ने 145 किलो का डेडलिफ्ट पूरा किया और पदक जीता, तब उनकी गर्भावस्था का खुलासा होते ही दर्शक दंग रह गए। सोनिका ने अपनी सफलता का श्रेय हिम्मत और निरंतरता को देते हुए कहा कि अगर जज्बा हो तो कोई भी बाधा रास्ता नहीं रोक सकती, गर्भावस्था भी नहीं।

विश्व बॉक्सिंग कप | **विश्वकप में जीतीं तो जैस्मिन-मीनाक्षी बनेंगी नंबर एक**

निकहत हासिल करेंगी पुराना दबदबा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह की मानें तो हाल ही में लिवरपूल में विश्व चैंपियन बनने वाली जैस्मिन (57) और मीनाक्षी हुड्डा (48) अगर विश्वकप फाइनल्स में विजेता बनती हैं तो दोनों अपने भार वर्गों में दुनिया की नंबर एक मुक्केबाज बन जाएंगी।

पेरिस ओलंपिक के बाद से पूर्व विश्व चैंपियन निकहत जरीन (51) के लिए मुक्केबाजी के रिंग में वापसी आसान नहीं रही है। विश्व चैंपियनशिप में वह कोई कमाल नहीं दिखा सकीं, लेकिन अपने घर में होने जा रहा विश्वकप फाइनल्स सिर्फ उनके लिए ही नहीं बल्कि 2023 की विश्व चैंपियन स्वीटी के लिए भी वापसी का बड़ा मंच बनने जा रहा है। 14 नवंबर से ग्रेटर नोएडा शहीद विजय सिंह पथिक स्टेडियम में होने वाले इस टूर्नामेंट को निकहत और स्वीटी ने स्वर्णिम लक्ष्य बनाया है। स्वीटी तो दो वर्ष पूर्व विश्व चैंपियन बनने के बाद पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में शिरकत करने जा रही हैं। वह भी अपने पुराने भार वर्ग 75 किलो में। इस टूर्नामेंट में मेजबान होने के नाते भारत पुरुष और महिलाओं के सभी 10-10 भार वर्गों में अपने मुक्केबाज उतारने जा रहा है। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह की मानें तो हाल ही में लिवरपूल में विश्व चैंपियन बनने वाली जैस्मिन (57) और मीनाक्षी हुड्डा (48) अगर विश्वकप फाइनल्स में विजेता बनती हैं तो दोनों अपने भार वर्गों में दुनिया की नंबर एक मुक्केबाज बन जाएंगी।

महिला विश्व कप

भारत के खिलाफ वापसी कर सकती है एलिसा हीली, पास किया फिटनेस टेस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले हफ्ते इंग्लैंड के खिलाफ मैच से पहले ट्रेनिंग सेशन के दौरान काफ इंजरी के कारण पिछले दो लीग स्टेज मैच से बाहर रहने वाली ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एलिसा हीली भारत के खिलाफ वापसी कर सकती है। गुरुवार को मुंबई में हीली ने अच्छी रिकवरी करते हुए फिटनेस टेस्ट पास कर लिया। इसके बाद उन्होंने विकेट–कीपिंग ड्रिल में हिस्सा

लिया और फिर एक फुल नेट सेशन किया, वेबसाइट के अनुसार नेट बॉलर्स के खिलाफ बड़े शॉट मारते देखा गया। इंदौर में दक्षिण अफ्रीका पर ऑस्ट्रेलिया की जीत के बाद हेड कोच शेली निट्स्के ने उम्मीद जताई थी कि हीली सेमीफाइनल से पहले पूरी तरह फिट हो जाएंगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 7 विकेट से जीत के बाद निट्स्के ने कहा था, वह आज रात पूरी तरह फिट नहीं थीं, लेकिन उनका असेसमेंट जारी रहेगा। हम सेमीफाइनल के लिए बहुत उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन उससे पहले अभी कुछ दिन बाकी हैं। हम फिर से उम्मीद कर रहे हैं, जैसे–जैसे हम उसके करीब पहुंचेंगे, उनका असेसमेंट जारी रहेगा। हीली डिफेंडिंग चैंपियन के लिए शानदार फॉर्म में रही हैं, उन्होंने वर्ल्ड कप में अब तक सिर्फ चार पारियों में 98 की औसत और 131.25 के स्ट्राइक–रेट से 294 रन बनाए हैं।

कप्तानी से हटाए जाने के बाद बागी हुए मोहम्मद रिजवान

● पीसीबी के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट पर साइन करने से किया मना

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने वनडे टीम की कप्तानी से हटाए जाने के बाद बगावत कर दी है।

उन्होंने नेशनल प्लेयर्स को दिए गए नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट पर साइन करने से मना कर दिया है, क्योंकि उन्हें कैटेगरी बी में रखा गया है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने एक सूत्र के हवाले से बताया कि रिजवान उन 30 खिलाड़ियों में से अकेले हैं जिन्हें नया कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है और

डॉक्यूमेंट पर साइन नहीं किया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने नए कॉन्ट्रैक्ट देते समय कैटेगरी ए को हटा दिया है। इसमें पहले सिर्फ बाबर आजम, रिजवान और शाहीन शाह अफरीदी थे। यह कैटेगरी प्लेयर्स को यह साफ मैसेज देने के लिए हटाई गई थी कि बोर्ड पिछले एक साल में उनके प्रदर्शन से खुश नहीं है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सामने रखी शर्तें– पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने तीन सीनियर खिलाड़ियों समेत 10 खिलाड़ियों को कैटेगरी बी में एक साथ रखा है, लेकिन रिजवान ने हाल ही में बोर्ड को साफ कर दिया है कि वह डॉक्यूमेंट पर तभी साइन करेंगे जब बोर्ड उनकी कुछ शिकायतों पर ध्यान देगा।

क्लच शतरंज चैम्पियन शोडाउनः

गुकेश नें किया नाकामुरा से हिसाब बराबर बनाई एकल बढ़त

सेंट लुईस यूएसए, एजेंसी। यूएसए शतरंज की राजधानी सेंट लुईस में क्लच शतरंज चैम्पियन शोडाउन में दुनिया के चार दिग्गज खिलाड़ी वर्तमान विश्व चैम्पियन भारत के डी गुकेश, पाँच बार के पूर्व विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मैगनस कार्लसन, दुनिया के वर्तमान नंबर 2 और नंबर 3 खिलाड़ी यूएसए के हिकारु नाकामुरा और फबियानों करूआना के बीच

मुकाबला शुरू हो गया है और अपने सभी आलोचको को करारा जबाव देते हुए गुकेश नें पहले दिन के खेल के बाद एकल बढ़त हासिल कर ली है। विश्व चैंपियनशिप डी गुकेश नें पहले दिन खेले गयी छह रैपिड बाजियों में 3 जीत 2 ड्रॉ और एक हार के साथ सर्वाधिक 4 अंक बनाते हुए एकल बढ़त हासिल कर ली है। गुकेश नें इस दौरान कार्लसन से 0.5 – 1.5, नाकामुरा से 1.5–0.5 और करूआना से 2–0 का परिणाम हासिल किया। कार्लसन के खिलाफ गुकेश पहली बाजी ही जीतने के बेहद करीब पहुँच गए थे पर अंत में टाइम प्रेसर में खेल हार गए और उनकी दूसरी बाजी बेनतीजा रही पर उसके बाद गुकेश नें शानदार वापसी की।

श्रेयस अय्यर की हालत स्थिर

बीसीसीआई ने क्रिकेटर की इंजरी पर दी अपडेट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गए वनडे सीरीज के तीसरे मैच में कैच लपकने के दौरान इंजर्ड हो गए थे। इंजरी गंभीर थी और उन्हें कुछ समय के लिए आईसीयू में रखा गया था। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अय्यर की इंजरी पर अपडेट दिया है और उनकी स्थिति को स्थिर बताया है। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, श्रेयस अय्यर के पेट में गंभीर चोट लगी थी, जिसकी वजह से उन्हें आंतरिक रक्तस्राव भी हुआ था।

चोट की तुरंत पहचान कर ली गई। इलाज के बाद रक्तस्राव तुरंत बंद हो गया। उनकी हालत अब स्थिर है और उन्हें निगरानी में रखा गया है। मंगलवार को दोबारा किए गए स्कैन में उनकी इंजरी में काफी सुधार दिखा है। बोर्ड की मेडिकल टीम, सिडनी और भारत के विशेषज्ञों के परामर्श से, उनकी प्रगति पर नजर रखेगी। बोर्ड ने बताया कि पहले श्रेयस की इंजरी को पसलियों की समस्या माना जा रहा था, लेकिन इंजरी अनुमान से ज्यादा गंभीर थी। स्कैन में तिल्ली में चोट का पता चला है, जिसके कारण अय्यर को सिडनी के एक अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। अय्यर अब आईसीयू से बाहर हैं। श्रेयस अय्यर पूर्व में भी इंजरी की वजह से लंबे समय तक क्रिकेट से बाहर रहे हैं। उम्मीद है, इस इंजरी से वे जल्द ही रिकवर करेंगे और क्रिकेट के मैदान पर वापस आएंगे। अय्यर फिलहाल सिर्फ वनडे फॉर्मेट में खेलते नजर आते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद वह ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल हुए थे।

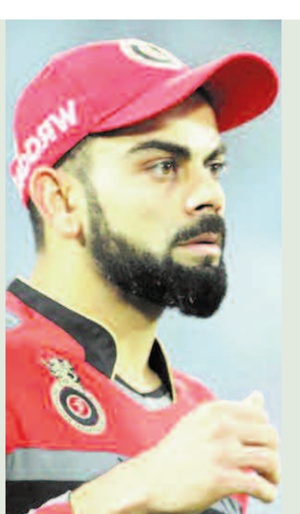

कोहली कब लेंगे वनडे और आईपीएल से रिटायरमेंट?

एबी डिविलियर्स ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने विराट कोहली के क्रिकेट भविष्य को लेकर बड़ा बयान दिया है। उनका मानना है कि 2027 वनडे वर्ल्ड कप कोहली के शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी टूर्नामेंट साबित हो सकता है। हालांकि, डिविलियर्स का यह भी कहना है कि कोहली आईपीएल में कई साल तक खेलते रह सकते हैं। कोहली हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में खेले, जहां शुरुआती दो मैचों में वह लगातार डक पर आउट हुए, लेकिन तीसरे वनडे में उन्होंने 74 रनों की नाबाद पारी खेलकर भारत को 9 विकेट से जीत दिलाई।

डिविलियर्स का कोहली पर बयान

एबी डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, मेरे हिसाब से 2027 वर्ल्ड कप विराट कोहली का आखिरी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट होगा। लेकिन आईपीएल अलग बात है – वहां वह अगले तीन, चार या पांच साल तक खेल सकते हैं। आईपीएल में तैयारी के लिए सिर्फ दो-तीन महीने चाहिए होते हैं, जबकि वर्ल्ड कप की तैयारी चार साल की होती है, जो शरीर और मानसिक संतुलन दोनों पर असर डालती है।

उन्होंने यह भी कहा, कोहली ने खेल को हमेशा के लिए बदल दिया है। अब वक्त है कि हम उन्हें सेलिब्रेट करें। चाहे वह पांच साल और खेलें या कल ही संन्यास लें – उन्हें पूरा समर्थन मिलना चाहिए। गैर है कि विराट कोहली अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में नजर आएंगे, जो 30 नवंबर से रांची में शुरू होगी।

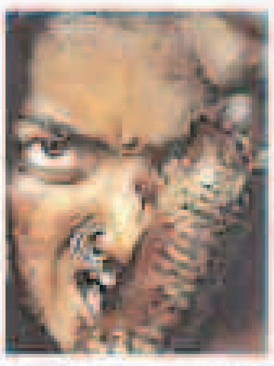

थामा में अपने किरदार को लेकर बोलीं रश्मिका मंदाना

मेरे लिए वैंपायर बनना बिल्कुल अलग अनुभव

निर्मात्री प्रेरणा अरोड़ा ने खोले

जटाधारा की आध्यात्मिकता के साथ काली दुनिया के राज

30 साल बाद फिर

सिनेमाघरों में दस्तक देगी आमिर खान की 'रंगीला', जानें कब री-रिलीज हो रही है फिल्म

यह है रंगीला की कहानी

'रंगीला' को मिले थे कई अवॉर्ड

एक्ट्रेस तान्या राजकुमार राव संग मिलकर खोलेंगी

शिक्षा व्यवस्था की पोल

बाहुबली में काम करते हुए तमन्ना भाटिया ने सीखी कल्पना

तमन्ना भाटिया ने आगे बताया

टीचर बनना चाहती थी ये हसीना

लेकिन बन बैठी आइटम गर्ल, स्टेजतोड़ डांस से हर किसी को बना लेती हैं दीवाना

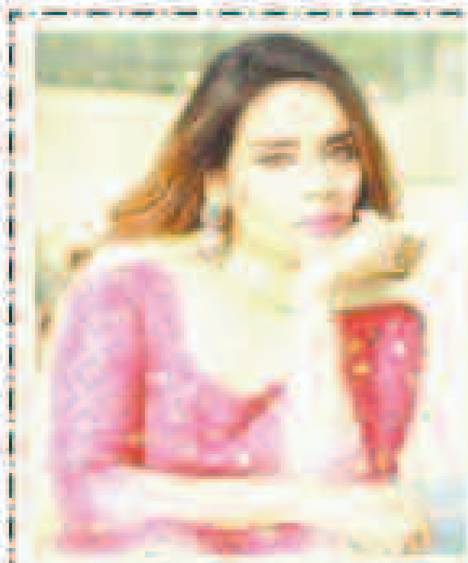

वेरोनिका वनीज ने परिवार के साथ मनाई छठ पूजा

4000 करोड़ी फिल्म रामायण के लिए फ्री में काम कर रहे विवेक ओबेरॉय